CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

॥ श्री ॥

श्रीयुतगोस्वामि तुलसीदासकृत

कबित्तरामायण.

सातो काण्ड.

यह पुस्तक

सकलरामानुरागियोंके आनन्दार्थ

हरिप्रसाद भगीरथजीने

मुंबईमें

"ग० कृ०" छापखानेमें छपवायके

प्रसिद्ध किया.

शके १८२३, सन १९०१.

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

उक्तिपरीक्षा
अथवा
कठिनसमस्यापूर्तिसंग्रह.

इसमें महाकठिन अद्भुत और चित्तको चमत्कृत करनेवाली समस्याओंकी वास्तविक पूर्तियोंका संग्रह है. जैसे "तिलके बिच तीनिहु लोक समाने" "उकठी लकड़ी बिन पात बढ़ी" "एकको मारत दुइ जान जीये" "केहि कारण मीन अकाश गई" "पांच चरण दश शीश" इत्यादि. यावत् कठिण २ समस्याओंकी दो २ चार २ पूर्तियां परमरमणीक छन्दोंमें की गइ है. इसके रचयिता कवि बलदेवदासजी हैं. ऐसा अद्भुत ग्रन्थ आजतक कहीं मुद्रित नहींहुआ, अत एव हिन्दीसाहित्यरसिकोंको एकवार इसका अवलोकन अवश्य करना चाहिये. सर्वधारणके सुभीतेके लिये ऐसे अमूल्य ग्रंथका मूल्यभी केवल ६ आ. रक्खा गया है.

पुस्तक मिलनेका ठिकाना.

हरिप्रसाद भगीरथजी,
कालकादेवीरोड, रामवाड़ी,
मुंबई.

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

श्रीः

अथ

तुलसीदासकृत
कवित्तरामायण ।

सवैया.

अवधेशके द्वार सबेरे गई सुत गोदकै भूपति लै निक-
से॥अवलोकिहौं शोचबिमोचनको ठगिसी रहिजो न
ठगा धिकसे॥ तुलसीमनरंजनरंजितअंजननैनसुखंज-
नजा तकसे॥ सजनीशशिमेंसमशीलउभयनवनीलस-
रोरुहसेबिकसे ॥१॥ पगनूपुरऔपहुँचीकरकंजनिमंजु
बनीमनिमालहिये ॥ नवनीलकलेवरपीतउगाउलकै
पुलकैनृपगोदलिये ॥ अरबिंदसोआननरूपमरंदअनं-
दितलोचनभृंगपिये ॥ मनमोंनाबऱ्योऐसोबालक
ज्योंतुलसीजगमेंफलकौनजिये ॥ २ ॥ तनकीद्यु
तिश्यामसरोरुहलोचनकंजकीमंजुलताईहरै ॥ अति

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

सुंदरशोभितधूरिभरेछबिभूरिअनंगकीदूरिधरै ॥ दम
कैंदतियांद्युतिदामिनिज्योकिलकैंकलबालविनोद
करैं ॥ अवधेशकेबालकचारिसदातुलसीमनमंदिरमें
बिहरै ॥ ३ ॥ कबहूंशशिमांगतआरिकरैंकबहूंप्रति
बिंबनिहारिडरैं ॥ कबहूंकरतालबजाइकेनाचतमातु
सबैमनमोदभरैं ॥ कबहूंरिसिआइरहैंहटिकैपुनिलेत
सोईजेहिलागेअरैं ॥ अवधेशकेबालकचारिसदातुल
सीमनमंदिरमेंबिहरैं ॥ ४ ॥ बरदंतकीपंगतिकुंदकली
अधराधरपल्लवखोलनकी ॥ चपलाचमकैंघनबीच
छिपैंछबिमोतिनमालअमोलनकी ॥ घुंघुरारीलटैंल
टकैंमुखऊपरकुंडललोलकपोलनकी ॥ नवछावरप्रा
णकरैतुलसीबलिजाउँललाइनबोलनकी ॥ ५ ॥
पदकंजनिमंजुबनीपनही धनुहीशरपंकजपाणिलि
ये ॥ लरिकासँगखेलतडोलतहैंसरजूतटचौहटहाट
हिये ॥ तुलसीऐसेबालकसेनहिनेहकहाजपयोगस
माधिकिये ॥ नरवेखरसूकरश्वानसमानकहौजगमेंफल

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

कौनजिये ॥ ६ ॥ सरजूबरतीरहिंतीरफिरैंरघुबी
रसखाअरुबीरसबै ॥ धनुहींकरतीरनिषंगकसे कटि
पीतदुकूलनबीचफबै ॥ तुलसीतेहिअवसरलावनि
तादृशचारिनौतीनएकीशसबै ॥ मतिभारतीपंगुभ
ईजोनिहारिबिचारिफिरीउपमानफबै ॥ ७ ॥

॥ घनाक्षरी ॥ ॥ क्षोणीमेंकेक्षोणीपतिछाजैजिन्है
छत्रछायाछोनीछोनीछाएक्षितिआएनिमिराजके ॥
प्रबलप्रचंडबरिबंडबरबेषबपुबरिबेकोबोलैंहैंवैदेहीबर
काजके ॥ बोलेबंदिबिरुदबजाईबरबाजनेऊबाजेबा
जेबीरबाहुधुनतसमाजके ॥ तुलसीमुदितमनपुरनरना
रिजेंतेबारबारहेरैंमुखऔधमृगराजके ॥ ८ ॥ सीयके
स्वयंवरसमाजजहांराजनिकोराजनिकेराजमहाराजा
जानैनामको ॥ पवनपुरंदरकृशानुभानुधनदसेगुणके
निधानरूपधामसोमकामको ॥ बानबलवानयातुधा
नपतिसमशूरजिन्हेंहैगुमानसदासलिमसंग्रामको ॥ त
हांदशरत्थकोसमर्थनाथतुलसीकेचपरिचढ़ायोचापचं

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

द्रमालल्लामको ॥ ९ ॥ मयनमथनपुरदहनगहनजानि आनिकैसबैकोसारधनुषगढ़ायोहै ॥ जनकसदसिजेते भलेभलेभूमिपालकिएबलहीनबलआपनोबढ़ायोहै । कुलिशकठोरकूर्मपीठितेकठिनअतिहठिनपिनाकका हूचपरिचढ़ायोहै ॥ तुलसीसोरामकेसरोजपाणिपरस तहूटयोमानोबारेतेपुरारिहिंपढ़ायोहै ॥ १० ॥ छप्पै ॥ डिगतिउर्विअतिगुर्विसर्वकांपैसमुद्रसर ॥ व्यालबधि रतेहिकालबिकलदिगपालचराचर ॥ दिगगयंदलर खरतपरतदशकंधमुखभर ॥ सुरबिमानहिमभानुया निसंघटितपरस्पर ॥ चौंकेबिरंचिशंकरसहितकोल कमठअहिकलमल्यो ॥ ब्रह्मांडखंडकीन्होप्रचंडध्वनि जबहिंरामशिवधनुदल्यो ॥ ११ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ लोचनाभिरामघनश्यामरामरूपशिशु सखीकहैस खीसोंतूप्रेमपयपालिरी ॥ बालकनृपालजूकेख्या लहीपिनाकतोऱ्योमंडलीकमंडलीमतापदापदालि री ॥ जनककोसियाकोहमारोतुलसीकोसबकोभाव

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

तोऽहैहैमैंजोकह्योकालिरी ॥ कौसल्याकीकोखिपरतो
षितनपरिवारियेरीरायदशरत्थकीबलायलीजेआलि
री ॥ १२ ॥ दूबदधिरोचनाकनकथारभरिभरिआर
तिसँवारिबरनारिचलींगावतीं ॥ लीन्हेजयमालकर
कंजसोहैंजानकीकेपहिरावोराघोजीकोसखियांसि
खावतीं ॥ तुलसीमुदितमनजनकनगरजनझांकतीझँ
रोखेलागीशोभानारीपावती ॥ मानहुँचकोरीचारुबै
ठींनिजनिजनीड़चंद्रकीकिरणपीवेंपलकोनलावतीं॥
॥ १३ ॥ नगरनिशानबरबाजैंव्योमदुंदुभीबिमानच
ढ़िगानकैकैसुरनारिनाचहीं ॥ जयतिजयतिहूंपुरजय
मालरामउरबरखैंसुमनसुररूरेरूपराचहीं ॥ जनककोे
पणजयोसबकोभावतोभयोतुलसीमुदितरोमरोममोद
माचहीं ॥ सांवरोकिशोरगोरीशोभापरतृणतोरिजो
रिजियोयुगयुगयुवतिजनयाचहीं ॥ १४ ॥ भलेभूपक
हतसोभलेसबदेशभूपनिसोलोकलखिबोलिएपुनीत
रीतिमारखी ॥ जगदंबाजानकीजगतपितुरामभद्रजा

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

निजियजोहोजोलगेनमुहकारखी ॥ देखेहैंअनेकग्या हसुनेहैंपुराणबेदबूझेहैंसुजानसाधुनरनारिपारखी ॥ ऐसेसमसमधीसभाजनविराजमान रामसेनबरदुलहिन सीयसारखी ॥ १५ ॥ बाणीविधिगौरीहरिशेषहूंगणेशकहीसहीभरीलोमसभुशुंडिबहुबारिखो ॥ चारिदशभुवननिहारिनरनारिसबनारदसोपरदाननारदसोपारिखो ॥ तिन्हकहीजगसोजगमगातिजोरीएकदूजीकोकहैयाकोसुनैयाचखचारिखो ॥ रमारमारमणसुजानहनुमानकहीसीयसीनतीय नपुरुषरामसारिखो ॥ १६ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ दूलहश्रीरघुनाथबने दुलहीसियसुंदरमंदिरमांही ॥ गावतिगीतसबैमिलीसुंदरिबेदजुवाजुरिविप्रपढ़ाहीं ॥ रामकोरूपनिहारतिजानकीकंकनकेनगकीपरछांहीं ॥ यातेंसबैसुधिभूलिगईकरटेकिरहीपलटारतिनाहीं ॥ १७ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ भूपमंडलीप्रचंडचंडीशकोदंडखंडयोचंडबाहुदंडजाकोताहीसोकहतहौं ॥ कठिनकुठारधारध

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

रिबेकीधीरताहिबीरताबिदितताकीदेखिऐचहतहौं ॥ तुलसीसमाजराजतजि सोबिराजेआजुगाज्योमृगराज गजराजज्यौंगहतुहौं ॥ छोनीमैंनछांडयोछप्योछो निपकोछोनाछोटोछोनिपजानावकोवरबिरुदबहतुहौं ॥ १८ ॥ निपटनिडरिबोलेबचनकुठारपाणिमानी त्रासऔनिपनमानौमौनतागही ॥ रोषमांखेलखनअ कनिअनकैहीबातैंतुलसीबिनीतबानीबिहँसि ऐसी कही ॥ सुयशतिहारेभरेभुवननिभृगुनाथप्रकटप्रताप आपकह्योसोसबैसही ॥ टूटयोसोनजुरैगोशरासनमहे शजूकोरावरीपिनाकमैंसरीकताकहांरही ॥ १९ ॥

॥ सवैया ॥ ॥ गर्भकेअर्भककाटनकोपटुधारकु ठारकरालहैजाको ॥ सोईहौंबूझतराजसभाधनुकैद लिहोदरिहौंबलताको ॥ लघुआननउत्तरदेतबड़ेलरि हैमरिहैकरिहैकछुसाको ॥ गोरोगरूरगुमानभर्योक होकौशिकछोटोसोढोटोहैकाको ॥ २० ॥ घनाक्षरी ॥ मखराखिवेकेकाजराजमेरेसंगदयेदलेयातुधानजेजितै

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

आविबुधेशके ॥ गोतमकीतीयतारीमेटेअघभूरिभारी लोचनअतिथिभएजनकजनेशके ॥ चंडबाहुदंडबल चंडीशकोदंडखंडयोग्याहीजानकी जीतेनरेशदेशदेशके ॥ सांवरेगोरेशरीरधीरमहाबीरदोऊनामरामलखणकुमारकोशलेशके ॥ २१ ॥ ॥ सवैया ॥ कालकरालनृपालनकेधनुभंगसुनेफरसालियेधाये ॥ लक्ष्मणरामबिलोकिसप्रेममहारिसिहाफिरिआंखिदिखाये ॥ धीरशिरोमणिबीरबड़ेबिनयीबिजयीरघुनाथसोहाये ॥ लायकहौं भृगुनायकसोधनुशायकसौंपिसुभायसिधाये ॥ २२ ॥ इतिबालकांडंसमाप्तम् ॥ १ ॥

॥ अथ अयोध्याकांडप्रारंभः ॥

॥ सवैया ॥ ॥ कीरकेकागरज्योंनृपचीरविभूषणउत्तमअंगनिपाई ॥ औधतजीभगवासकेरूखज्योंपंथकेसाथजोलोगलुगाई ॥ संगसुबंधुपुनीतप्रियामानोधर्मक्रियाधरिदेहसोहाई ॥ राजिवलोचनरामचलेतजिबापकोराजबढ़ायेकिनाई ॥ २३ ॥ का

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

गरुकीरज्योंभूषणचीरशरीरलस्योतजिनीरज्योंका
ई ॥ मातुपिताप्रियलोगसबैसनमानिसुभायसनेह
सगाई॥ संगसुभामिनिभाइभलोदिनद्वैजनुऔधहुँते
पहुनाई॥ राजिवलोचनरामचलेनिजबापकोराजब
टाउकीनाई॥ २४ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ शिथि
लसनेहकहैकौंसिलासुमित्रासोंमैंलखीसबतीयसखीभ
गिनीज्योंसेईहै ॥ कहेमोहिंमैयाकहौंमैंनमैयाभरतकी
बलैयालेहौंमैयातेरीमैयांकैकईहै ॥ तुलसीसरलभाय
रघुरायगायमानीकायमनबानीहूंनजानीकीमतेईहै ॥
बामबिधिमेरोसुखसिरिससुमनसमताकोछलछुरीको
हकुलिशमैंटेईहै ॥ २५ ॥ कीजेकहाजीजीजुसुमित्रा
परिपांयकहै ॥ तुलसीसहावैबिधिसोईसहियतुहै ॥
रावरेसुभायरामजन्महींतैंजानियतभरतकीमातुकोकी
योशोचियतुहै ॥ जाइराजघरब्याहिआइराजघरमहा
राजपूतपायेहूंनसुखलहियतुहै ॥ गेहसुधागेहतेऊमृगहूं
मलीनकियोताहूपरबाहुबिनुराहुगहियतुहै ॥ २६ ॥

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

॥ सवैया ॥ ॥ जाकेनामअजामिलसेखलकोटिअ
पारनदीभवबूड़तकाढ़े ॥ जोसुमिरेगिरिमेरुशिलाकण
होतअजाखुरवारिधिबाढ़े ॥ तुलसीजेहिकेपदपंकजते
प्रकटीतटिनीजोहरैअघगाढ़े ॥ तेप्रभुयासरितातरिबे
कहँमांगतनावकरारेव्हैठाढ़े ॥ २७ ॥ एहिघाटतेथो
रिकदूरिअहैकटिलौंजलथाहदेखाइहौंजू ॥ परसेपगधू
रितरैतरणीधरणीधरक्योंसमुझाइहौंजू ॥ तुलसीअव
लंबनऔरकछूलरिकाकेहिभांतिजिआइहौंजू ॥ बरि
मारिएमोंहिबिनापगधोइहौंनाथननाऊचढ़ाइहौंजू ॥
॥ २८ ॥ रावरोदोषनपांयनकोपगधूरिकोभूरिप्रभाउ
महाहै ॥ पाहनतेबनबाहनकाठकोकोमलहैजलखाइर
हाहै ॥ पावनपांयपखारिकैनाउचढ़ाइहौंआयसुहो
तकहाहै ॥ तुलसीसुनिकेवटकेबरबैननहँसिकैप्रभु
जानकीओरकहाहै ॥ २९ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥
पातभूरिसहरिसकलसुतबारेबारेकेवटकीजातिकछुबे
दनपढ़ाइहौं ॥ सबपरिवारमेरयाहीलागिराजाजी

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

हौंदीनबित्तहीनकैसेदूसरीगढ़ाइहौं ॥ गौतमकीतरु
णीज्योंतरणीतरेगीमेरीप्रभुसोंनिषादव्हैकै बादनब
ढ़ाइहौं ॥ तुलसीकेईशरामरावरेंसोसांचीकहौंबिनाप
गधोएनाथनाउनचढ़ाइहौं॥३०॥जिनकोपुनीतबारि
शिरसिबहैपुरारित्रिपथगामिनीजासुवेदकहैगाइकै ॥
जिनकोयोगींद्रमुनिवृंददेवदेहँधरि करतबिबिधयोग
जपध्यानलाइकै॥ तुलसीजिनकीधूरिपरसिअहिल्या
तरीगौतमसिधारेगृहगौनसोलेवाइकै ॥ तेईपांयपा
इकैचढ़ाईनाबधोएबिनुरखिहौंनपढ़ावनीकेव्हैहौंनहँ
साइकै ॥ ३१ ॥ प्रभुरुखपाइकैबुलाएबालकनर-नीर
बंदिकैचरणचहूंदिशिबैठेघेरिघेरि ॥ छोटोसोकठौता
भरिआनिपानीगंगाजूको धोइपांयपियतपुनीतबा
रिफेरिफेरि ॥ तुलसीसराहैंताकोभागसानुरागसुरब
र्षैंसुमनजयजयकरैंटेरिटेरि॥ विबुधसनेहसानीबानी
असयानीसुनि हँसैराघोजानकीलषणतनहेरिहेरि ॥
॥ ३२ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ पुरतेनिकसीर

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

घुबीरबधूधरिधीरदयेमगमैंडगवै ॥ झलकींभरिभाल
कनीजलकीपटसूखिगएमधुराधरवै ॥ फिरबूझतिहैच
लनोबकितोपियपर्णकुटीकरिहौकितव्है ॥ तितकी
लखि आतुरतापियकीअँखियांअतिचारुचलींजल
च्वै ॥ ३३ ॥ जलकोगएलक्ष्मणहैंलरिकापरखौपिय
छांहघरीकव्हैठाढ़े ॥ पोंछिपसेउबयारिकरौंअरुपांयप
खारिहौंभूरिहौंदाढे ॥ तुलसीरघुवीरप्रियाश्रमजानिकै
बैठिबिलंबसोंकंटककाढ़े ॥ जानकीनाहकोनेहलख्यो
पुलकेवतनुबारिविलोचनबाढ़े ॥ ३४ ॥ ठाढ़ेहैं
नवद्रुमडारगहेधनुकांधेधेरेकरशायकलै ॥ बिकटी
भृकुटीबड़िरीअखियांअनमोलकपोलनकीछबिहै ॥
तुलसीऐसीमूरतिआनुहियेजड़डारुधौंप्राणनिछावर
कै ॥ श्रमशीकरसांवरिदेहलसैमानोराशिमहातम
तारकमै ॥ ३५ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥
जलजनयनजलजाननजटाहैंशिरयौवनउमंगअंगउ
चितउदारहैं ॥ सांवरेगोरेबीचभामिनिसुदामिनी

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

सीसुनिपटधारे उरफूलनिकेहारहैं ॥ करनिश
रासनशिलीमुखनिषंगकटिअतिहींअनूपकाहूभूपके
कुमारहैं ॥ तुलसीबिलोककैतिलोककेतिलकतीनि
रहेनरनारिज्योंचेतेरेचित्रसारहैं ॥ ३६ ॥ आगेसो
हैं सांवरेकुँवरगारेपोछेकाछेआछेमुनिवेषधरेलाजत
अनंगहैं ॥ बाणबिशिखासनबसनबनहींकेकटिकसे
हैंबनाइनीकेराजतनिषंगहैं ॥ साथनिशिनाथमुखी
पाथनाथनंदिनीसीतुलसीबिलोकेचितलाइलेतसंग
हैं ॥ आनंदउमँगमनयौबनउमँगतनुरूपकेउमँगतअं
गअंगहैं ॥ ३७ ॥ सुंदरबदनसरसीरुहसोहाएबैनमंजु
लप्रसूनमाथेमुकुटजटनिके ॥ असनिशरासनलसतशु
चिसरकरतूनकटिमुपिटनलूटकपटनिके ॥ नारिसु
कुमारिसंगजाके अंगउवटिकैबिधिबिरचैबरूथबिद्यु
तछटनिके ॥ गोरेकोबरणदेखेसोनोनसलोनोलागे
सांवरेबिलोकेगर्वघटहैंघटनिके ॥ ३८ ॥ बलकलब
सनधनुषबाणपाणितूणकटिरूपकेनिधानघनदामिनी

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

वरणहैं ॥ तुलसीसुतीयसंगसहजसोहाएअंगनवलक
मलहूतेकोमलचरणहैं ॥ औरसोवसंतऔररतिपतिम
रतिबिलोकेतनमनकेहरणहैं ॥ तापसबेषबनाएपथि
कपथेसोहाएचलेलोकलोचननिसुफलकरणहैं ॥
॥ ३९ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ बनिताबनीश्यामलगो
रकेबीचबिलोकहुरीसखीमोहिंसीन्हैं ॥ मगयोगन
कोमलक्योंचलिहैं सकुचातिमहीपदपंकजछूवै ॥ तु
लसीसुनिग्रामवधूबिथकींपुलकींननुऔँसुवाचले
च्वै ॥ सबभांतिमनोहरमोहनरूपअनूपहैंभूपकेबालक
व्है ॥ ४० ॥ सांवरेगोरेसलोनेसुभायमनोहरतातजि
मैनलियोहै ॥ बालकमाननिषंगकसेशिरसोहैंजटासु
निवेषकियोहै ॥ संगलिएविधुबैनीवधूरतिकोजेहिं
चकरूपदियोहै ॥ पांयनतोपनहीनपयादेहिक्योंच
लिहैंघबरातजियो ॥ ४१ ॥ रानीमैंजानीअयानीम
हापविपाहनहूंतेकठोरहियोहै ॥ राजहुकाजअका
जनजान्योकह्योतियकोजेहिकानकियोहै ॥ ऐसीम

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

नोहरमूरतिएबिछुरेकैसेप्रीतमलोगजियेहै ॥ ४२ ॥
आंखिनमेंसखिराखिबेयोग इन्हैकिमिकैबनवासदि
येहै ॥ सीसजटाउरबाहुबिशालबिलोचनलालति
रीछीसीभौंहैं ॥ तूनशरासनबाणधरेतुलसीबनमारग
मेंसुठिसोहैं ॥ सादरबारहिंबारसुभायचितैतुमत्यौहम
रोमनमोहै ॥ पूंछतिग्रामवधूसियसोंकहौसांवरोसोस
खिरावरोकोहै ॥४३ ॥ सुनिसुंदरबाणीसुधारससानी
सयानीहैजानकीजानिभली ॥ तिरछेकरिनैनदेखैन
तिन्हसमुदायकछूमुसुकायचली ॥ तुलसीतेहिअवसर
सोहैंसबैअवलोकतिलोचनलाहुअली ॥ अनुरागत
ड़ागमेंभानुउदयबिकसीमानोमंजुलकंजकली ॥४४॥
धरिधीरकहैंचलुदेखियजाइजहांसजनीरजनीरहिहैं ॥
कहिहैंजगपोचनशोककछूफललोचनआपनतौलहि
हैं ॥ सुखपाइहैंकानसुनेबतियांकलआपुसमैंकछुपेक
हिहैं ॥ तुलसीअतिप्रेमलगीपलकेंपुलकीलखिराम
हिएमहिहैं ॥ ४५ ॥ पदकोमलश्यामलगौरकलेवर

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

राजतकोटिमनोजलजाए ॥ करबाणशरासनसीसज
टासरसीरुहलोचनसोनसोहाए ॥ जिनदेखेसखीसब
भावहुतेतुलसीतिनतौमनफेरिनपाए ॥ एहिमारगआ
जुकिशोरवधूबिधुबैनिसमेतसुभायसिधाए ॥ ४६ ॥
मुखपंकजकंजबिलोचनमंजुमनोजशरासनसीबनिभो
हैं ॥ कमनीयकलेवरकोमलश्यामलगौरकिशोरजटा
शिरसोहैं ॥ तुलसीकटितूणधरेधनुबाणअचानकदृष्टि
परीतिरछोहैं ॥ केहिभांतिकहौंसजनीतोहिंसोंमृदुमूर
तिद्वैनिवसीमनमोहैं ॥ ४७ ॥ प्रेमसोपीछेतिरीछे
प्रियाहिचितैचितुदैचलैचितचोरै ॥ श्यामशरीरपसे
उलसैहुलसैतुलसीछबिसोमनमोरै ॥ लोचनलोल
चलैभृकुटीकलकामकमाननसोतृणतोरै ॥ राजत
रामकुरंगकेसंगनिषंगकसेधनुसोशरजोरै ॥ ४८ ॥
शरचारिकचारुबनाइकसेकटिपाणिशरासनशायक
लै ॥ बनखेलतरामफिरैमृगयातुलसीछबिसोबरणै
किमिकै ॥ अवलोकिअलौकिकैरूपशिलीमुख

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

पंचधरेंशतिनायकहै ॥ ४९ ॥ विंध्यकेबासीउदासीत
पोव्रतधारीमहाबिनुनारिदुखारे ॥ गौतमतीयतरीतु
लसीसोकथासुनिभेमुनिवृंदसुखारे ॥ व्हैहैंशिलासब
चंद्रमुखीपरसेपदमंजुलकंजतिहारे ॥ कीन्हीभलीरघु
नायकजूकरुणाकरिकाननकोपगधारे ॥ ५० ॥
॥ इत्ययोध्याकांडःसमाप्तः ॥ २ ॥ ॥ ॥

अथ अरण्यकांडप्रारंभः ॥

सवैया ॥ ॥ पंचवटीबरपर्णकुटीतरबैठेहैंरामसुभाय
सोहाए ॥ सोहैंप्रियाप्रियबंधुलसैंतुलसीसबअंगघनेछ
बिछाये ॥ देखिमृगामृगनैनिकहैंप्रियबैनतेप्रीतमकेम
नभाए ॥ हेमकुरंगकेसंगशरासनशायकलैरघुनायक
धाए ॥ ५१ ॥ ॥ इत्यरण्यकांडः समाप्तः ॥ ३ ॥

अथ किष्किंधाकांडप्रारंभः ॥

घनाक्षरी ॥ ॥ जबअंगदादिनमतिगतिमंदभईपवन
केपूतकोनकूदिबेकोबलुगो ॥ साहसीव्हैशैलपरसह-
सासिकिलिआइचितवतचहूंओरऔरनिकोकलुगो॥

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

तुलसीरसातलकोनिकसिसलिलआयोकोलकलम
ल्योअहिकमठकोबलुगो ॥ चारिहूंचरणकेचपेटचापे
चिपटिगोउचकेउचकिचारिअंगुलअचलुगो ॥५२॥
॥ इतिकिष्किंधाकांडः समाप्तः ॥ ४ ॥

अथसुंदरकांडप्रारंभः ॥

घनाक्षरी ॥ ॥ वासवबरुणबिधिबनतेसुहावनोदशान
नकोकाननबसंतकोसिंगारसो ॥ समयपुरानेपात
परतडरतबातपालतलालतरतिमारकोबिहारसो ॥
देखबरवापिकातड़ागबागकोबनावरागबसभोगभो
गीपवनकुमारसो ॥ सीयकीदशाबिलोकिबिटपअशो
कतरतुलसीबिलोक्योसोतिलोकशोकसारसो।५३।
मालीमेघमालबनपालबिकरालभटनीकेसबकालसी
चेसुधासारनीरके ॥ मेघनादतेदुलारोप्राणतेपिआ
रोबागअतिअनुरागजियजातुधानधीरके ॥ तुलसी
सोजानिसुनिसीयकोदरसपाइपैठोबाटिकाबजाइब
लरघुबीरके ॥ बिद्यमानदेखतदशाननकोकाननसो

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

हसनहसकियेसाहसीसमीरके॥५४॥जसनबटोरिबारि
बोरितेलतमीचरखोरिखोरिधाइआइबांधतलंगूरहैं ॥
तैसोकपिकौतुकीडेराटतीलेखातकेकैलातकेअघात
सहैजीमैंकहैकूरहैं ॥ बालकिलकारीकैकैतारीदैदैगा
रीदेतपाछेलागेबाजतनिसानटोलतूरहैं ॥ बालधी
बढ़नलागीठौरठौरदीन्हिआगीबिंध्यकीदबारिकैधौं
कोटिशतसूरहैं ॥ ५५ ॥ लाइलाइआगिभागेबाल
जालजहांतहांलघुव्हैनिबुकिगिरिमेरुतेबिशालभो ॥
कौतुकीकपीशकूदिकनककँगूराचढ्योंरावणभवनच
ढ़िठाढ़ोतेहिकालभो ॥ तुलसीबिराज्योव्योमबा
लधीपसारिभारीदेखहहरातभटकालसोकरालभो ॥
तेजकोनिधानमानोकोटिककृशानुभानुनखबिकरा
लमुखतैसोरिसिलालभो ॥ ५६ ॥ बालधीविशाल
बिकरालज्वालजालमानोलंकलीलिबेकोकालरस-
नापसारीहै ॥ कैधौंव्योमवीथिकाभरेहैंभूरिधूमकेतुबी
ररसबीरतरवारसीउघारीहैं ॥ तुलसीसुरेशचापकैधौं

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

दामिनीकलापकैधौंचलीमेघतेकृशानुसरिभारीहै ।
देखियातुधानयातुधानीअकुलानीकहैंकाननउजाऱ्यो
अवनगरप्रजारीहै ॥ ५७ ॥ जहांतहांबुबुकिबिलोवि
बबकारीदेतजरतनिकेतधावोधावोलागिआगिरे ।
कहांतातमातभ्रातभगिनीभामिनीभाभीढोटोछोटो
छोहराअभागेभोंड़ेभागिरे ॥ हाथीछोरोघोड़ाछोरो
महिषवृषभछोरोछोरीछोरोसोवैसेजगावोजागिजागि
रे ॥ तुलसीविलोकिअकुलानीयातुधानिकहैबा
बारकह्योंपियकपिसोंनलागिरे ॥ ५८ ॥ देखि
ज्वालजालहाहाकारदशकंधसुनिकह्योधरोधरोधाये
वीरबलवानहैं ॥ लियेशूलसेलपाशपरिघप्रचंडदं
भाजनसनीरधीरधरेधनुबानहैं ॥ तुलसीसमिधसौं
लंकयज्ञकुंडलखियातुधानपुंगीफलजवतिलधानहैं ।
बवासोलंगूलबलमूलप्रतिकूलहविस्वाहामहाहांकि
किहुनेहनुमानहैं ॥ ५९ ॥ गाज्योकपि
जज्योंबिराजोज्वालजालयुतभाजेबीरधीरअकुलाई

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

ठ्योरावनो ॥ धावोधावोधरोसुनिधाएयातुधानधरि
बारिधारउलचैंजलदज्योंनसावनो ॥ लपटझपटझह
रानेहहरानेबातभहरानेभटपऱ्योप्रबलपरावनो ॥ टक
निटकेलिबोलिसचिवचलैलैटलिनाथनचलैगोबश
अभयनयाबनो ॥ ६० ॥ बड़ोबिकरालवेषदेखिसुनि
सिंहनादउऱ्योमेघनादसविषादकैरावनो ॥ बेगजि
तो मारुतप्रतापमार्तंडकोटिकालहूंकरालताबड़ाई
जितोबावनो ॥ तुलसीसयानेंयातुधानेपछितानेकहैं
जाकोऐसोदूतसोसाहिबअबैआवनो ॥ काहेकीकुश
लरोषेरामबामदेवहूकीबिषमबलीसोंबादिबैरकोबढ़ा
वनो ॥ ६१ ॥ पानीपानीपानीसबरानीअकुलानीक
हैंजातहैंपरानीगतिजाहैंगजचालिहैं ॥ बसनबिसारेम
णिभूषणसँभारतनुआननसुखोलकहैंक्योंहोकोउपा
लिहैं ॥ तुलसीमंदोवैमींजेहाथधुनिमाथकहैकाहूकान
कियोनमैंकेताकह्योकालिहै ॥ बापुरेबिभीषणपुकारि
बारबारकह्योबानरबड़ोबलाइघनेघरघालिहै ॥६२॥

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

काननउजाऱ्योतोउजाऱ्योनबिगाऱ्योकछुवानरबि चारोबांधिआनोहठिआरसों ॥ निपटनिडरदेखिकाहू नलख्योबिशेषिदीह्नयोनछड़ाइकहिकुलकेकुठारसों॥ छोटेऔबड़ेरेमेरेपूतऊअनेरेसबसांपनिसोखेलैंमेलैंगरे छुराधारसों ॥ तुलसीमँदोवैरोइरोइकैबिगोवैआपुबार बारकह्योमैंपुकारिडाढ़ीजारसों ॥६३॥ रानीअकुला नीसबडाढ़तपरानीजांहिसकैंनबिलोकिवेषकेसरीकु मारको ॥ मींजिमींजिहाथधुनिमाथदशमाथतियतुल सीतिलोनभयोबाहिरअगारको ॥ सबअसबाबडाढ़ै मैंनकाढ़ैतैंनकाढ़ेजियकीपरीसँभारसहनभंडारको ॥ खीझतिमंदोवैसविषाददेखिमेघनादवयोलुनियतसब याहिडाढ़ीजारको ॥६४॥ रावणकीरानीयातुधा नीबिलखानीकहैहाहाकोइकहैबीसबाहुदशमाथसों॥ काहेमेघनादकाहेकाहेरेमहोदरतूधीरजनदेतलाइलेत क्योंनहाथसों ॥ काहेअतिकायकाहेकाहेरेअकंपनअ भागेतीयत्यागेतीभोंड़ेभागेजातसाथसों ॥ तुलसीब

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

ढ़ाइबादसालतबिसारवैरयाहीबलबलसोंबिरोधरघु
नाथसों ॥ ६५ ॥ हाटबाटकोटओटअटनअगारपौर
खोरिखोरिदौरिदौरिदीन्हीअतिआगिहै ॥ आरतपु
कारतसँभारतनकोइकाहूव्याकुलजहांसोतहांलोकच
लभागिहै ॥ बालधीफिरावैबारबारझहरावैझरैंबूंदि
यासीलंकपतिलाइसबआगिहै ॥ तुलसीबिलोकिअ
कुलानीयातुधानीकहैंचित्रहूंकेकपिसोंनिशाचरनला
गिहै ॥ ६६ ॥ लागिलागिआगिभागिभागिचलेज
हांतहांधीयकोनमायबापपूतनसँभारहीं ॥ छूटेबारबस
नउघारधूमधुंधअंधकैंहबोरबुढ़ेबारिबारिबारबारहीं ॥
हयहिनहिनातभागेजातघहरावगजभारीभीरटेलिष
लिरौंदिखौंदिडारहीं ॥ नामलैचिलातबिललातअ
कुलातअतितातताततौंसियतझौंसियतझारहीं ।६७।
लपटकरालज्वालजालमालदसौंदिशिधूमअकुलानें
पहिचानेंकौनकाहिरे ॥ पानीकोललातबिललात
जेरंगातजातपरमाइमालजातभ्रातत्तूनिबाहिरे ॥ प्रि

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

यातूपराहिनाथनाथतूपराहिबापबापतूपराहिपूतपूत
तूपराहिरे ॥ तुलसीबिलोकिलोकव्याकुलबेहालकहै
लेहिदशसीसअबबीसचखुचाहिरे ॥ ६८ ॥ वीथिका
बजारप्रतिअटनिअगारप्रतिपँवरिपगारप्रतिबानरबि
लोकिए॥ अधोउर्द्धवानरविदिशिदिशिवानरहैमानोर
ह्योहैभरिसोबानरतिलोकिए ॥ मूंदेआंखिहिएमेंउघा
रेआंखिआगेठाढ़ोधाइजाइजहांतहांऔरकोऊकोकि
ए ॥ लेहुअबलेहुतबकोऊनसिखावोमानौसोईसतरा
इजाइजाइजाहिरोकिए॥ ६९ ॥ एककरैधौंजएकक
हैकाढ़ोसौंजएकऔंजिपानीपकिकहैंवैनतनआवनो॥
एकपरेगाढ़ेएकडाढ़तहिंकाढ़ेएकदेखतहैठाढ़ेकहँखावै
कैभयावनो ॥ तुलसीकहतएकनीकेहाथलाएकपिअ
जहूंनछाड़ैंबालगालकोबजावनो ॥ धावरेबुझावरेकि
खावरेजिआवरेरेअरे आगिलागीनबुझावैसिंधुसाव
नो ॥ ७० ॥ कोपिदशकंधतबप्रलयपयोदबोले
रावणरजाइधाइआएयूथजोरिकै ॥ कह्योलंकपतिलं

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

कबरतब्रुतावोबेगिवानरबहाइमारौमाहबारिवोरिक॥
भलेनाथनाइमाथचलेपाथप्रदनाथबर्षैंमुसलधारबार
बारघेरिकै ॥ जीवनतेजागीआगीचपरिचौगुनीला
गी तुलसीभभरिमेघभागेमुखमोरिकै॥७१॥ इहांज्वा
लजरेजातव्हांगलानिगरेगातसूखेसकुचातसबकहतपु
कारहैं ॥ युगपटभानुदेखेप्रलयकृशानुदेखे शेषमुखअ
नलबिलोकेबारबारहैं ॥ तुलसीसुन्योनकानसलिल
सर्पीसमानअतिअचरजकिएकेसरीकुमारहैं ॥ बारिद
बचनसुनिधुनेसीससचिवन्ह कहैदससीसईशबामता
विकारहै ॥ ७२ ॥ पावकपवनपानीमातुहिमवानयम
काललोकपालमेरेडरडावाडोलहैं ॥ साहिबमहेशस
दाशंकितरमेशमोहिंमहातपसाहसबिरंचिलिएमोल
हैं ॥ तुलसीत्रिलोकआजदूजेनविराजैराजबाजेबाजे
राजनिकेबेटीबेटाओलहैं ॥ कोहैईशनामबामबामहो
तमोहिसनअहैमाल्यबानरावरेकेबावरेसेबोलहैं॥७३॥
भूमिभूमिपालव्यालपालकपतालनाकपाल लोक

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

पालजेतसुभटसमाजहैं ॥ कहैंमाल्यवानयातुधानप
रावरेकोमनहुँअकाजआनैऐसोकोनआजहैं ॥ रामक्रो
धपावकसमीरश्वासकीशईशबामताबिलोकुअबानर
केव्याजहैं ॥ जारतप्रचारिफेरिफेरिसोनिशंकलंक
हांबांकेवीरतोसेसूरसिरताजहैं ॥ ७४ ॥ पानप
वानविधिनानाकेसँधानोसीधो बिबिधबिधानध
वैरेबरबारहीं ॥ कनककिरीटकोटिपलँगपेटारेपी
काढ़तकहारसबजरेभारभारहीं ॥ प्रबलपावकबा
जहँकाढ़ेतहँदाढ़झपटलपटभेरभवनभँडारहीं ॥
लसीअगारनपगारनबजारबचोहाथीहाथसारजरेघो
घोरसारहीं ॥ ७५ ॥ हाटबाटहाटकपघिलचलो
घीसोघनोकनककराहीलंकतलफततायसों ॥ नाना
पकवानयातुधानबलवानसबपागिपागिढेरकीन्ही
भलीभांतिभायसों ॥ पाहुनेकृशानुपवमानसोपरो
सोहनुमानसनमानिकैजेवांएचितचायसों ॥ तुलसी
निहारिअरिनारिदैदैगारिकहैंबावरेसुरारिवैरकीन्हो

रामरायसों ॥ ७६ ॥ रावणसोराजरोगबाढतबिराट
उरदिनदिनबिकलसकलसुखरांकसो ॥ नानाउप
चारकरिहारेसुरसिद्धमुनिहोतनबिशोकओतपावैन
मनाकसो ॥ रामकीरजाइतेरसाइनीसमीरसूनुउतरि
पयोधिपरसोधिसरबांकसो ॥ यातुधानबूटीपुटपाक
जातरूपकरिरतनजतनजारिकियोहैंमृगांकसो ॥
॥ ७७ ॥ जारिवारिकैविधूमवारिधिबुताइलूमना
इमाथोपगनिभोठाढोकरजोरिकै ॥ मातुकृपाकीजैस
हिदानदीजैसुनिसीयदीन्हीहैअसीसचारुचूडामणिछो
रिकै ॥ कहांकहौंतातदेखेजातज्योंबिहातदिनबड़ी
अवलंबहीसोंचलेतुमतोरिकै ॥ तुलसीसनीरनैननेह
सोंशिथिलबैनबिकलबिलोकिकपिकहतनिहोरिकै
॥ ७८ ॥ दिवसछसातजातजानबेनमातुधरिधीरअ
रिअंतकीअवधिरहीथोरिकै ॥ वारिधिबँधाइसेतुऐहैं
भानुकुलकेतुसानुजकुशलकपिकटकबटोरिकै ॥ बच
नबिनीतकहिसीताकोप्रबोधकरितुलसीत्रिकूटचढि

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

कहतडफोरिकै ॥ जयजयजानकीशदशसीसकरि
सरीकपीशकूद्योवातजातवारिधिहलोरिकै ॥ ७९ ।
साहसीसमीरसूनु नीरनिधिलंघिलखिलंकसिद्धपी
सीसोजागोहेमसानसो ॥ तुलसीबिलोकिमहासाह
प्रसन्नभईदेवीसीयसारिखीदियोहैबरदानसो ॥ बा
काउजारिअक्षधारिमारिजारिगढभानुकुलभानुको
तापभानुभानुसो ॥ करतबिशोकलोककोकनदको
ककपिकहैजामवंतआयोआयोहनुमानसो ॥ ८० ।
गगननिहारिकिलकारिभारिसुनिहनुमानपहिचानि
भएसानंदसचेतहैं ॥ बूडतजहाजबाच्योपथिकसमा
जमानोआजुजाएजानिसबअंकमालदेतहैं ॥ जयजय
जानकीशजयलखनकपीशकहि कूदेकपिकौतुकी
नचतरेतरेतहैं ॥ अंगदमयंदनलनीलबलशीलमहा
बालधीफिरावैंमुखनानागतिलेतहैं ॥ ८१ ॥ आयेह
नुमानप्राणहेतुअंकमालदेतलेतपगधूरिएकचुंबतलंगूर
हैं ॥ एकबूझैबारबारसीयसमाचारकहो पवनकुमा

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

रभोबिगतश्रमशूलहैं ॥ एकभूंखेजानिआगेआनिकं
दमूलफलएककूजैंबाहुबलमूरतोरिकूलहैं ॥ एककहैं
तुलसीसकलसिद्धिताकेजाकेकृपापाथनाथसीताना
थसानुकूलहैं ॥ ८२ ॥ सीयकोसनेहशीलकथा
तथालंककहैचलेजातचायसोसिरानेपथछनमें ॥ क
ह्योयुवराजबोलिबानरसमाजआजुखाहुफलसुनिपे
लिपैठेमधुबनमें ॥ मारेबागवानतेपुकारतदिवानगे
उजारेबागअंगदादिखाएघायतनमें ॥ कहैकपिराज
करिआएकीशकाजमहाराजकीशपथमहामोदमेरेमन
में ॥ ८३ ॥ नगरकुँवरकोसुमिरकैबराबरी बिरं
चिबुद्धिकोबिलासलंकनिर्मानभो ॥ ईशहिंचढ़ाए
सीसबीसबाहुबीरतहां रावणसोराजाराजतेजकोनि
धानभो ॥ तुलसीबिलोकिकैसमृद्धिसौंजसंपदासके
लिचाकिराखीरासिजागरजहानभो ॥ तीसरेउपास
बनबाससिंधुपाससीसमाजमहाराजजीकोएकदिनदा
नभो ॥ ८४ ॥ ॥ इतिसुंदरकांडःसमाप्तः ॥ ५ ॥

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

अथ लंकाकांडप्रारंभः ॥

घनाक्षरी ॥ ॥ बड़ेबिकरालभालुबानरबिशालबं
तुलसीबड़ेपहाररैलैपयोधितोपिहैं ॥ प्रबलप्रचंडबल
डबाहुदंडखंडखंडखंडिमंडिमेदिनीकोमंडलीकला
हैं ॥ लंकदाहदेखेनउछाहरह्योकाहूकोसोकहैंसबसा
वपुकारिपांवरोपिहैं ॥ बांचिहैंनपाछेत्रिपुरारिहूमुर
रिहूकेकोहैरणरारिकोजोकौशलेशकोपिहैं ॥ ८५ ॥
त्रिजटाकहतिबारबार तुलसीखरीसीराघवबाणए
हीसमुद्रसातोशोषिहैं ॥ सकुलसंहारियातुधानधा
जंबुकादियोगिनीजमातिकाकलापतोषिहैं ॥ राजै
निवाजिबोबजाइकेबिभीषणकोबजैगोव्योमबाजने
बिबुधप्रेमपोषिहैं ॥ कौनदशकंधकौनमेघनादबापुरो
कोकुंभकर्णकीटजबरामरणरोषिहैं ॥ ८६ ॥ बिनय
सनेहसेकहतिसियत्रिजटासोंपायकछुसमाचारआर्य
सुवनके ॥ येजूबँधायसेतुउतरेभानुकुलकेतुआयेदे
देखिदूतदारुणदुअनके ॥ बदनमलिनबलहीनदीनदे

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

खिमानोमिटेघटेतमोचरतिमिरभुवनके॥लोकपतिशो
कशोकमूंदेकपिकोकनदद्वंद्वैरहैहैंरघुआदितउवनके॥
॥ ८७ ॥ झूल० ॥ सुभुजमारीचखरत्रिशिरदूषणबा
लिबधतजेहिंदूसरोशरनसांध्यो ॥ आनिपरभामवि
धिबामतेहिरामसोंसकृतसंग्रामदशकंधकांध्यो ॥ समु
झितुलसीसोकपिकर्मघरघरभीरुबिकलसुनिसकल
पाथोधिबांध्यो॥ बसतगढ़वंकलंकेशनायकअछतलं
कनहिंखातकोउभातरांध्यो ॥ ८८ ॥ सवैया ॥ वि
श्वजयीभृगुनायकसेबिनुहाथभएहनिहाथअजारी ॥
बातुलमातुलकीनसुनीसिखकातुलसीकपिलंकनजा
री ॥ अजहूंतेभलोरघुनाथमिलोफिरिबूझिहैंकोगज
कौनगजारी ॥ कीर्तिबड़ीकरतूतिबड़ीजनवातबड़ी
सोबड़ीहीबजारी ॥ ८९ ॥ जबपाहनभेवनबाहनसेउ
तरेवनराजैंजैरामरढ़े ॥ तुलसीलिएशैलशिलासबसों
हतसागरज्योंबलबारिबढ़े ॥ करिकोपकरैंरघुवीरकी
आयसुकौतुकहींगढ़कूदिचढ़े ॥ चतुरंगचमूपलमेंदलि

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

कैरणरावणराड़केहाड़गढ़े ॥ ९० ॥ घनाक्षरी ॥
बिपुलविशालबिकरालकपिभालुमानौकालबहुबे
धरेधाएकिएकरखा ॥ लिएशिलाशैलतोरितालव
तमालतोरितोपैंतोयनिधिसुरकोसमाजहरखा ॥ ग
दिगकुंजरकमठकोलकलमलेडोलैधराधरधरखा ॥
तुलसीतमकिचलैंराघोकीसपथकरैंकोकरैअटककपि
कटकअमरखा ॥ ९१ ॥ आयेशुकसारणबोलाएतेक
हनलागेपुलकिशरीरसेनाकरतफहमहीं ॥ महाबली
वानरविशालभालुकालसेकरालहैंरहेकहांसमाहिगेक
हांमही ॥ हँस्यौदशकंधरघुनाथकोप्रतापसुनितुलसी
दुरावैमुखसुखतसहमही ॥ रामकेविरोधबुरोविधिहि
हरहूकोसबकोभलोहैराजारामकेरहमही ॥ ९२ ॥
आयोआयोआयोसोइवानरबहोरिभयोशोरचहूंओर
लंकआयेयुवराजके ॥ एककाढ़ैसौंजएकधौंजकरैंक
हाव्हैहैपोचभईमहाशोचसुभटसमाजके ॥ गाज्योक
पिराजरघुराजकीसपथकरिमूंदेकानयातुधानमानोगा

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

जेगाजके ॥ सहमिसुखातबातजातकीसुरतिकरिल
वाज्योंलुकाततुलसीझपेटेबाजके ॥ ९३ ॥ दूषणबिरा
धखरत्रिशिराकबंधवधेतालऊकरालवेधेकौतुकहैका
लिको ॥ एकहीबिशिखबशभयेवीरबांकुरेसोतोहूहैबि
दितबलमहाबलीबालिको ॥ तुलसीकहतहितमानत
ननेकुशंखमेरोकहाजैहैफलपैहैतूकुचालिको ॥ वीर
करिकेसरीकुठारपाणिमानिहारितेरीकहाचलीबूटतो
सोगनेवालिको ॥ ९४ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ तोसोंक
होंदशकंधररेरघुनाथविरोधनकीजिएबौरे ॥ बालिब
लीखरदूषणऔरअनेकगिरेजेतमीतमेंदौरे ॥ ऐसनहा
लहोईतोहिंकोनतोलैमिलुसीयचहैसुखजोरे ॥ राम
केरोषनराखिसकैंतुलसीबिधिश्रीपतिशंकरसौरे ॥
॥ ९५ ॥ तूरजनीचरनाथमहारघुनाथकेसेवककोजन
होहौं ॥ बलवानहैस्वानगलीअपनीतोहिंलाजनगाल
बजावतसोहौं ॥ बीसभुजादशसीसहरौंनडरौंप्रभुआय
सुभंगतेजोहौं ॥ खेतमकेहरिज्योंगजराजदलौं दलबा

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

लिकोबालकतोहौं ॥ १६ ॥ कौसलराजकेकाजहौं
आजुत्रिकूटउपारिलैबारिधिबोरौं ॥ महाभुजदंडद्वै
डकटाहचपेटकेचोटचटाकदैफोरौं ॥ आयसुभंगतेजो
डरौंसबमींजिसभासदशोणितखोरौं ॥ बालिकोबाल
कतौतुलसीदशहूंमुखकेरणमेंरदतोरौं ॥ १७ ॥ अति
कोपसोंरोप्योहैपांउसभासबलंकसशंकितसोरमचा ।
तमकेघननादसेबीरप्रचारिकैहारिनिशाचरसैनपचा ।
नटरैपगमेरुहितेगरुभोसोमनोमहिसंगबिरंचिरचा ।
तुलसीसबशूरसराहतहैंजगमेंबलशालिहैबालिबचा ॥
॥ १८ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ रोप्योपांउपैजकैबिचारि
घुवीरबललागेभटसिमिटिननेकुटसकतुहै ॥ तजिधी
रधरणीधरणिधरधसकतधराधरधीरभारसहनसकतुहै
॥ महाबलीबालिकोदवतदलकतभूमितुलसीउछलि
सिंधुमेरुमसकतुहै ॥ कमठकठिनपीठघंटापरोमंदरको
सोईआयोकामपैकरेजोकसकतुहै ॥ १९ ॥ ॥ झूल
ना ॥ ॥ कनकगिरिशृंगचढ़िदेखिमर्कटकटकबदति

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

मंदोदरीपरमभीता ॥ सहसभुजमत्तगजराजनरकेसरी
परशुधरगर्बजेहिंदेखिबीता ॥ दासतुलसीसमरसबल
कौसलधनीख्यालहींबालिबलशालिजीता ॥ रेकंत
तृणदंतगहिशरणश्रीरामकहिअजहुँएहिभांतिलैसौंपु
सीता ॥ १०० ॥ रेनीचमारीचबिचलाइहतिताट
काभंजिशिवचापसुखसबहिंदीन्ह्यो ॥ सहसदसचारि
खलसहितखरदूषणहींपठैयमधामतैंतऊनचीन्ह्यौ ॥ मैं
जोकहौंकंतसुनुमंतभगवंतसोबिमुखव्हैबालिफलकौन
लीन्ह्यो ॥ बीसभुजसीसदशखीसगयेतबहिंजबईशकेई
शसोंबैरकीन्ह्यो ॥ १ ॥ वालिदलिकालिजलयान
पाषाणकियेकंतभगवंततौतुमनचीन्हे ॥ विपुलविक
रालभटभालकपिकालसेसंगतरुतुंगगिरिशृंगलीन्हे॥
आइगेकौसलाधीशतुलसीशजेहिछत्रमणिमौलिदशदू
रिकीन्हे ॥ ईशकबसीसजनिखीसकरुईशसुनुअजहुँकु
लकुशलबैदेहिदीन्हे॥२॥जाकेसैनसमूहकपिकोंनगने
अर्बुदेमहाबलीबरिहनुमानजानी॥ भूलिहैंदशदिशासी

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

सपुनिडोलिहैंकोपिरघुनाथजबबाणतानी ॥ बालिहूं
गर्बजियमांहएसेकियोमारिदहपट्टकियोयमकुधानी॥
कहतिमंदोदरीसुनहिरावणमतोबेगिलैदेहिबैदेहीरानी
॥३॥ गहनउजारिपुरजारिसुतमारितवकुशलगोकीश
बरबीरजाको ॥ दूसरोदूतपणरोपिकोप्योसभाखर्बकि
योसर्बकोगर्बथाको ॥ दासतुलसीसभयबदतिमयनं
दिनीमंदमतिकंतसुनुमंतह्माको ॥ तौलौंमिलुबेगिन
हिजौलौंरणरोषभयोदाशरथिबीरबिरुदैतबांको ॥४॥
घनाक्षरी ॥ काननउजारिअक्षमारिधूरधानिकीन्हीन
गरप्रजायोसोविलोक्योबलकीशको ॥ तुह्मैविद्यमा
नयातुधानमंडलीमेंकपिकोपिरोप्योपांउसोप्रभाउतु
लसीशको ॥ कंतसुनुमंतकुलअंतकियेअंतहानियेतो
कीजैहिएतेभरोसोभुजबीशको ॥ तोलौंमिलुवेगिजौ
लौंचापनचढ़ायोरामरोषिबाणकाढ़योनलदैआदश
सीशको ॥ ५ ॥ पवनकोपूतदेख्योदूतबीरबांकुरोजो
बंकगढ़लंकसों ढकाढकेढिढाहिगो ॥ बालिबल

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

शालिकोसोकालिदापदलिकोपिरोप्योपांउचपरिच
मूकोचाउचाहिगो ॥ सोइरघुनाथकपिसाथपाथनाथ
बांधिआयोनाथभागेतेखिरिखेहरवाहिगौ ॥ तुलसी
गरबतजि मिलिबेकोसाजसजिदेहिसियनतोपियपा
यमालजाहिगो ॥ ६ ॥ उदधिअपारउतरतहूंनलागी
बारकेसरीकुमारसोअदंडकैसोडांड़िगो ॥ बाटिकाउ
जारिअक्षरक्षकनिमारिभटभारिभारिरावरेकोचाउर
सोकांड़िगो ॥ तुलसीतिहारेबिद्यमानयुवराजआजुको
पिपांउरोप्योसबछूछैकैकैछांड़िगो ॥ कहेकीनलाजपि
यआजहूंनआवेबाजसहितसमाजगढ़रांड़कैसोभांड़ि
गो ॥ ७ ॥ जाकेरोषदुसहत्रिदोषदाह दूरिकीन्हेपैअ
तनक्षत्रीखोजखोजतखलकमें ॥ महिषमतिकोनाहुसा
हसीसहसबाहुसमरसमर्थनाथहेरियेहलकमें ॥ सहितस
माजमहाराजसोजहाजराजबूड़िगयोजाकेबलबारिधि
छलकमें ॥ टूटतपिनाककेमनाकबाममरासेतेनाकबि
नुभयेभृगुनायकपलकमें ॥ ८ ॥ कीन्हीक्षोणीक्षत्रीबि

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

नुक्षोणिपछपनहारकठिनकुठारपाणिबीरबानजानिकै ॥ परमकृपालुजोनृपाललोकपालनपै जबधनुहाईकै हैमनअनुमानिकै ॥ नाकमैंपिनाकमिसिबामताबि लोकिरामरोंक्योपरलोककलोकभारिभ्रममानिकै ॥ नाइदशमाथमहिजोरिबीशहाथपिय मिलियैपैनाथर घुनाथपहिंचानिकै ॥ ९ ॥ कह्योमतमातुलबिभीषण हूबारबारअंचलपसारिपियपांयलैलैहौंपरी ॥ बिदि तबिदेहपुरनाथभृगुनाथगति समयसयानीकीन्हीजै सीआइगोपरी ॥ बायसबिराधखरदूषणकबंधबालिबै ररघुबीरकेनपूरीकाहूकोपरी ॥ कंतबीशलोचनबि लोकिएकुमतिफलख्याललंकलाईकपिरांड़कीसी झोंपरी ॥ १० ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ रामसोंसामकि एनितहैहितकोमलकाजनकीजियठाढ़े ॥ आपनीसू झिकहौंपियबुझियेजूझिबेयोगनठाहरुनाढ़े ॥ नाथसु नोभृगुनाथकथाबलिबालिगयेचलिबातकेखाढे ॥ भाइबिभीषणजाईमिल्योप्रभुआइपरेसुनिसायरकांढ़े॥

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

॥ ११ ॥ पालिबेकोकपिभालुचमूयमकालकरा लहुकोपहरीहै ॥ लंकसेबंकमहागढ़दुर्गमढाहिबेदा हिबेकोकहरीहै ॥ तीतरतोमतमीचरसेनसमीरकोसूनु बड़ोबहरीहै ॥ नाथभलोरघुनाथमिलोरजनीचरसनै हिएहहरीहै ॥ १२ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ रोषे रणरावणबोलाएवीरवानइतजानतजेरीतिसबसंयुगस माजकी ॥ चलीचतुरंगचमूचपरिहनेनिशानसेनाहैस राहैयोगरातिचरराजकी ॥ तुलसीबिलोकिकपिभा लुकिलकतललकतलखि ज्यौंकंगालपातरीसुना जकी ॥ राममुखनिरखिहर्ष्योंहिएहनुमानमानोखेल करखोलीसीसताजबाजकी ॥१३॥ साजिकैसनाहग जगाहसेउछाहदलमहाबलीधायबीरयातुधानधीरके॥ इहांभालुबंदरबिशालमेरुमंदरसेलिएशैलशालतोरि नीरनिधितीरके ॥ तुलसीतमकितकिभिरेभारी युद्धक्रुद्धसेनपसरायेनिजनिजभटभीरके ॥ रुंडनकेझुं डझूमिझूमिझुकिकरिनाचैंसमरसुमारसूरमारेरघुबीर

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

के ॥१४॥ ॥ सवैया ॥ ॥ तीखेतुरंगकुरंगसुरंगनिसन
जिचढ़ेछटिछैलछबीले ॥ भारीगुमानजिन्हैमनर
कबहुंनभएरणमेंतनढीले ॥ तुलसीलखिकैहरिके झ
रिकेझपटेपटकेसबशूरसलीले ॥ भूमिपरेभटघूमिकर
हतहांकिहनेहनुमानहठीले ॥१५॥ शूरसबैबलसा
सुबाजिसुसेलधरेबगमेलचलेहैं ॥भारिभुजाभरिभा
शरीरबलीबिजयीसबभांतिभलेहैं ॥ तुलसीजिन्हैध
इधुकेंधरणीधरणीधरधोरनकानहलेहैं ॥ तेरनतिच
नलच्छनलाखनदानिज्योंदारिददाबिदलेहैं ॥१६
गहिमंदरबंदरभालुचलेसोमनोउमहेघनसावनके ।
तुलसीउतझुंडप्रचंडझुकेझपटेभटजेसुरदावनके ॥ बि
रुझेबिरुदैतजेखेतअरेनटरेहटिबैरबढ़ावनके ॥ रणमा
मचीउपरीउपराभलेबीररघूपतिरावणके ॥ १७
शरतोमरसेलसमूहसवाँरतमारतबीरनिशाचरके ॥ इ
ततेतरुमालतमालचलेखरखंडप्रचंडमहीधरके ॥ तु
लसीकरिकेहरिनादभिरेभटखग्गखगेखपुआखरके ॥

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

नखदंतनसोंभुजदंडविखंडतमुंडसोंमुंडपरेझरके॥१८॥
रजनीचरमत्तगजातघटाबिघटेमृगराजकेसाजलरैं ॥
झपटैंभटकोटिमहीपटकैंगरजैंरघुबीरकीसौंहकरैं॥ तु
लसीउतहांकदशाननदेतअचेतभेबीरकोधीरधरैं ॥
बिरझोरणमारुतकोबिरुदैतजोकालहुकालसो बूझि
परैं॥ १९॥ जेरजनीचरबीरबिशालकरालबिलोक
तकालनखाये॥ तेरणघोरकपीशकिशोरबड़ेपरजोर
परेफंगपाये॥ लूमलपेटिअकासनहारिकैहांकिहठी
हनुमानचलाये॥ सूखिगेगातचलेनभजातपरेभ्रम
बातनभूतलआये ॥ २० ॥ जो दशसीसमहीधरई
शकोबीसभुजाखुलिखेलनिहारो॥ लोकपदिग्गज
दानवदेवसबैसहमेसुनिसाहसभारो॥ बीरबड़ोबिरु
दैतबलीअजहूंजगगावतजासुपवारो ॥ सोहनुमान
हन्योमुठिका गिरिगोगिरिराजज्यों गाजकोमारो॥
॥ २१ ॥ दुर्गमदुर्गपहारतेभारेप्रचंडमहाभुजदंडबने
हैं ॥ लक्ष्यमेंपक्षरुतीक्षणतेजसेसूरसमाजमेंगाजगने

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

हैं ॥ तेबिरुदैतबलीरणबांकुरेहांकिहठीहनुमानहनेहैं
नामलैरामदेखावतबंधुकोघूमतघायलघायघनेहैं
॥ २२ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ हाथिनसोंहाथी
मारेघोड़ेनसोंघोड़ेमारेरथनसोंरथबिदरनबलवानकी
चंचलचपेटचोटचरणचकोटचाहे हहरानीफौजें भ
रानीयातुधानकी ॥ बारबारसेवकसराहनाकरत
मतुलसीसराहैंरीतिसाहेबसुजानकी ॥ लम्बीलूमल
सतलपेटिपटकतभटदेखोदेखोलखनलरनहनुमान
की ॥ २३ ॥ दनकिदबोरैंएकबारिधिमेंबोरैंएक
गनमहीमेंएकगगनउड़ातहैं ॥ पकरिपछारेइकचरण
उखारेएकचीरिफारिडारेएकमींजिमारेलातहैं ॥ तु
लसीलखणरामरावणविविधबिधि ॥ चक्रपाणिचंडी
पतिचंडिकासिहातुहैं ॥ बड़ेबड़ेबानरइतबीरबलवा
नबड़े यातुधानयूथपतियातेबातजातहैं ॥ २४ ॥
प्रबलप्रचंडबरिबंडबाहुदंडबीरधायेयातुधानहनुमान
लियोघेरिकै ॥ महाभुजदंडकुंजरारिज्योगरजिभटज

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

हांतहांपटकेलँगूलकेफिरिफेरिकै ॥ मारेलाततोरेगातभा
गिजातहाहाखातकहैतुलसीशराहिरामकीसोंटेरिकै ॥
ठहरठहरपरेकहरकहरउठहहरहहरहरसिद्धहँसेहेरिकै ॥
॥ २५ ॥ जाकीबांकीबीरतासुनतसहमतशूरजाकी
आंचअजहूँलसतलंकलाहसी ॥ सोईहनुमानबलवा
नबांकोबानइतजोहैं यातुधानसेनाचलेलेतथाहसी ॥
कंपतअकंपनसुभायअतिकायकायकुंभउकरणआइर
ह्योपाइआहसी ॥ देखेगजराजमृगगराजज्यो गर
जिधायोबीररघुबीरकोसमीरसूनुसाहसी ॥ २६ ॥
॥ झूलना ॥ ॥ मत्तमुकुटदशकंठसाहसशूलशृंग
बिदरनजनुवज्रटांकी ॥ दसनधरिधरणिचिक्करतदि
ग्गजकमठशेषसंकुचितशंकितपिनाकी ॥ चलतम
हिमेरुउच्छलतसायरसकलबिकलबिधिबधिरदिशि
बिदिशिझांकी ॥ रजनिचरघरनिघरगर्भअर्भकश्रव
तसुनतहनुमानकीहांकवांकी ॥ २७ ॥ कौनकीहांक
परचौंकिचंडीशबिधिचंडकरथकितफिरितुरँगहांके ॥

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

कौनकेतेजतुलसीसुभटभीमसेभीमतानिरखिकरिन
नढांके ॥ दासतुलसीशकेबिरदवर्णतविदुषबीरबिरु
तवरबैरिधांके ॥ नाकनरलोकपातालकोउकहतकि
नकहांहनुमानसेबीरबांके ॥ २८ ॥ यातुधानावली
मत्तकुंजरघटानिरखि गजराजमानोगिरितेछूट्यो ॥
बिकटचटकचोटचरणगहिपटकिमहिनघटिगयेसुभट
सतसबकोछूट्यो ॥ दासतुलसीपरतधरणिधरकतझ
कतहाटसोउठतजंबुकनिलूट्यो ॥ धीररघुवीरकेबीर
णबांकुरेहांकहनुमानकुलिकटककूट्यो ॥ २९ ॥
॥ छप्पै ॥ ॥ कतहुँबिटपभूधरउपारिअरिसैनहिवर्षत ॥
कतहुँवाजिसोंवाजिमर्दिगजराजहिंकर्षत ॥ चरणचो
टचटकनचकोटअतिउरसिरवज्जंत ॥ बिकटकटककबि
दरतबीरवारिदजिमिगर्जत ॥ लंगूरलपेटतपटकिमहि
जयतिरामजयउच्चरत ॥ तुलसीसपवननंदनअटलयुद्ध
क्रुद्धकौतुककरत ॥ ३० ॥ घनाक्षरी ॥ अंगअंगदलितल

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

लितफूलेकिंशुकसेहैनेभटलाखनलखनयातुधानके ॥ मारिकैपछारिकैउपारिभुजदंडचंडखंडखंडडारेतेबि दारिहनुमानके ॥ कूदतकबंधकेकदंबबंबसीकरतधावत देखावतहैंलाघौराघौबानके ॥ तुलसीमहेशबिधिलो कपालदेवगणदेखतविमानचढ़ेकौतुकमसानके॥३१॥ लोथिनसोंलोहूकेप्रवाहचलेजहांतहांमानहुंगिरिन्हगे रुझरनझरतुहैं ॥ शोणितसरितघोरकुंजरकरारेभारेकू लतेसमूलवाजिविटपपरतहैं ॥ सुभटशरीरनीरचारी भारीमारितहँशूरनउछाह कूरकायरडरतहैं॥ फेकरिफे करिफेरूफारिफारिपेटखातकाककंकबालककोलाह लकरतहैं ॥३२॥ ओझरीयझोरीकांधेआंतनकीसेल्ही बांधेमुंडकेकमंडल्लुखप्परकियेफोरिकै ॥ योगिनीज म्हातजोरिझुंडझुंडबनीतापससेनीरतीरबैठीसोसमरखोरि कै ॥ शोणितसोंसानिसानिगूदाखातसतुआसेएकप्रे तपियतबहोरिघोरिघोरिकै ॥ तुलसीबैतालभूतसाथ लियेभूतनाथहेरिहेरिहँसतहैंहाथहाथजोरिकै ॥ ३३॥

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

॥ सवैया ॥ ॥ रामशरासनतेचलेतीररहेनशरी
रहड़ावरिफूटी ॥ रावणधीरनपीरगनीलखिलैकरख
प्परयोगिनिजूटी ॥ शोणितछीटछटानिछुटीतुलसीप्र
भुसोहैमहाछबिछूटी ॥ मानौमरकतशैलबिलासमैंफै
लिचलींबरबीरबहूटी ॥ ३४ ॥ ॥ घना
क्षरी ॥ मानीमेघनादसोंप्रचारिभिरेभारिभटअपनेअ
पनेपुरुषारथनडीलकी ॥ घायललखणलालसुनि
बिलखाने रामभईआशशिथिलजगन्निवासडील
की ॥ माईकोनमोहछोहसीयकोनतुलसीशकहैंमैंबि
भीषणकीकछुनसबीलकी ॥ लाजबांहबोलकीनि
वाजेकीसभारसारसाहेबनरामसेबलाइलेउशीलकी॥
॥ ३५ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ काननबास
दशाननसोरिपुआननश्रीशशिजीतिलियोहै ॥ बा
लिमहाबलशालिदल्यो कपिपालिबिभीषणभूपकि
योहै ॥ तीयहरीरणबंधुपऱ्योपैभऱ्योशरणागतशोच
हियोहै ॥ बांहपगारकृपालउदारकहांरघुबीरसोबीर

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

हियोहै ॥ ३६ ॥ लीन्हउखारि पहारबिसारचल्यो
तेहिकालविलंबनलायो ॥ मारुतनंदनमारुतकोम
नकोखगराजकोवेगलजायो ॥ तीखेतुरातुलसीकह
तोपैहियेउपमाकोसमाउनआयो ॥ मानोप्रतच्छपर
ब्बतकोनभलीकलसीकपियोधुकिधायो ॥ ३७ ॥
॥ घनाक्षरी ॥ ॥चल्योहनुमानसुनियातुधानकालने
मिपठयोसोमुनिभयोपायोफलछलिकै ॥ सहसाउ
खारोहैपहारबहुयोजनकोरखवारेमारेभारेभूरिभटद
लिकै ॥ वेगबलसाहससराहतकृपालुरामभरतकीकु
शलअचलल्यायोचलिकै ॥ हाथहरिनाथकेबिकानेर
घुनाथजनुशील सिंधुतुलसीसभलोमानोभलिकै ॥
॥ ३८ ॥ बापदियोकाननमोआननशुभाननसोवै
रीभोदशाननसोतीयकोहरणभो ॥ घोररारिहेरित्रिपु
रारि विधिहारेहियेघायलखणबीरबानरबरणभो ॥
बालिबलशालिदलिपालिकपिराजकैबीभीषणनेवा
जिसेतुसागरतरणभो ॥ ऐसेशोकमैंतिलोककेबिशो

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

कपलहीमेंसबहीकेतुलसीकेसाहेबशरणभो ॥ ३९ ॥
॥ सवैया ॥ ॥ कुंभकरन्नहन्योरणरामदल्योदश
कंधरकंधरतोरे ॥ पूषणबंशविभूषणपूषणतेजप्रताप
गरेअरिओरे ॥ देवनिशानबजावतगावतगोमनभा
वतभोरे ॥ नाचतबानरभालुसबैतुलसीकहिहारेह
हाभैयहोरे ॥ ४० ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ मारे
णरातिचररावणसकुलदलअनुकूलवेषमुनिफूलबर्षतु
हैं ॥ नागनरकिन्नरबिरंचिहरिहरिहेरिपुलकशरीर
हियहेतुहर्षतुहैं ॥ बामऔरजानकीकृपानिधानके वि
राजेदेखतविषादमिटेमोदसरसतुहै ॥ आयसुभोलोक
निसिधारेलोकपालसबतुलसी निहालकैकेदियेसर्ष
तुहै ॥ ४१ ॥ ॥ इतिश्रीलंकाकांडःसमाप्तः ॥ ६ ॥

अथउत्तरकांडप्रारंभः ॥

॥ सवैया ॥ ॥ बालिसेबीरबिदारिसकुंठथप्यो
हरखेसुरबाजनबाजे ॥ पदमेदल्योदाशरथीदशकंधर
लंकबिभीषणराजबिराजे ॥ रामस्वभावसुनेतुलसीह

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

लसेअलसीहमसेखलगाजे ॥ कायरकूरकपूतनकीहद तेऊगरीबनेवाजनेवाजे ॥ ४२ ॥ वेदपढैंबिधिशंभुस भीतपुजावनरावणसोनितआवैं ॥ दानवदेवदयावनेदी नदुखीदिनदूरिहितेशिरनावैं ॥ ऐसेउभागभगेदशभा लतेजोप्रभुताकबिकोबिदगावैं ॥ रामसबामभयेतेहि वामहिवामसबेसुखसंपतिलावैं ॥ ४३ ॥ वेदविरुद्धम हीमुनिसाधुसशोककियोसुरलोकउजाऱ्यो ॥ औरक हाकहौंतीयहरीतबहूंकरुणाकरिकोपनिवाऱ्यो ॥ सेवक छोहतेछांड़िक्षमातुलसीलख्योरामस्वभावतिहाऱ्यो ॥ तौलौंनदापदल्योदशकंधरजौंलौंबिभीषणलातनमा ऱ्यो ॥ ४४ ॥ शोकसमुद्रनिमज्जतकाढ़िकपीशकियो जगजानतजैसों ॥ नीचनिशाचरबैरिकोबंधुबिभीषण कीन्हपुरंदरसैसो ॥ नामलियेअपनाइलियोतुलसी सोकहैजगकौनअनैसो ॥ आरतआरतिभंजनरामगरी बनेबाजनदूसरऐसो ॥ ५४ ॥ मीतपुनीतकिएकपि भालुकोपाले जोकाहूनबालतनूजो ॥ सज्जनसीमबि

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

भीषणभोअजहूंविलसैबरबंधुबधूजो ॥ कोशलपाल बिनातुलसीशरणागतपालकृपालुनदूजो ॥ क्रूरकु जातिकपूतअघीसबकीसुधरैजोकरैनरपूजो ॥ ४६ ॥ तीयशिरोमणिसीयतजीतेहिंपावककीकलुषाईदहीहै॥ धर्मधुरंधरबंधुतज्योपुरलोगनकीबिधिबोलिकहीहै ॥ कीशनिशाचरकीकरणीनसुनीनबिलोकीनचित्तरही है ॥ रामसदाशरणागतकीअनखौंहीअनैससुभायस हीहै ॥ ४७ ॥ अपराधअगाधपरेजनतेअपनेउर आनतनाहिंनजू ॥ गणिकागजगीधअजामिलके गणिपातकपुंजसेराहिंनजू ॥ लियेबारकनामसो धामदियोजेहिधाममहामुनिजाहिंनजू ॥ तुलसीभ जुदीनदयालहिरेरघुनाथअनाथहिंदाहिनजू ॥ ४८ ॥ प्रभुसत्यकरीप्रह्लादगिराप्रकटेनरकेहरिखंभमहां ॥ झषराजग्रस्योगजराजकृपाततकालविलंबकिएनत हां ॥ सुरसाखीदैराखीहैपांडुवधूपटलूटतकोटिक भूपजहां ॥ तुलसी भजुशोचविमोचनकोजनको

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

पणरामनराख्योकहां ॥ ४९ ॥ नरनारिउघारिस
भामहँहोतदियेपटशोचहऱ्योमनको ॥ प्रह्लादविषाद
निवारणवारणतारणमीतअकारणको ॥ जोकहावत
दीनदयालुसहीतेहिभारसदाअपनेमनको ॥ तुलसीत
जिआनभरोसभजैभगवानभलोकरिहैंजनको ॥५०॥
ऋषिनारिउघारिकियोशठकेवटमीतपुनीतसुकीतिल
ही ॥ निजलोकदियोशबरीखगकोकपिथापिसोमा
लुमहैसबही ॥ दशसीसबिरोधसेभीतबिभीषणभूप
कियोजगलीकरही ॥ करुणानिधिकोभजुरेतुलसीर
घुनाथअनाथकेनाथसही ॥५१॥ कौशिकविप्रवधूमि
थिलाधिपकेसबशोचदलेपलमाहैं ॥ बालिदशाननबं
धुकथासुनिशत्रुसुसाहिबशीलसराहैं ॥ ऐसीअनूपक
हैतुलसीरघुनायककीअगुनीगुनगाहैं ॥ आरतदीनअ
नाथहुकोरघुनाथअरेनिजहाथनछाहैं ॥ ५२ ॥ तेरेवेसा
हेबसाहतऔरनिऔरवेसाहिबकेबनहारे ॥ व्योमरसा
तलभूमिभरेनृपकूरकुसाहिबसेतिहुंखारे ॥ तुलसीतेहि

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

सेवतकौनमरेरजतेलघुकोकरैमेरुतेभारे ॥ स्वामिसुशी
लसमर्थसुजानसोतोसोतुहीदशरत्थदुलारे ॥ ५३ ॥
॥ घनाक्षरी ॥ ॥ यातुधानभालुकपिकेवटविहं
गजोजोपालेनाथशठसभयोसोकामकाजको ॥ आरत
अनाथदीनमलिनशरणआयेराखेसनमानिसोसुभाउ
महाराजको ॥ नामतुलसीपैभूरिभागतेकहायोदास
कियेअंगीकारऐसेबड़ेदगाबाजको ॥ साहेबसमर्थदश
रथकेदयालुदेवदूसरोनतोसोंतुहींआपनेकीलाजको ॥
॥ ५४ ॥ महाबलीबालिदलिकायरसुकंठकपिरा
जकिएमहाराजहोंनकाहूकामको ॥ भ्रातघातपातकी
निशाचरशरणआएकिएअंगीकारनाथएतेबड़ेवामको
॥ रायदशरथकेसमर्थतेरेनामलियेतुलसीसेकूरकोकह
तजगरामको ॥ आपनेनेवाजेकीतौलाजमहाराजको
स्वभावसमुझातमनमुदितगुलामको ॥ ५५ ॥ रूप
शीलसिंधुगुणसिंधुबंधुदीनकोदयानिधानजानमणि
बीरबाहुबोलको ॥ श्राधकियोगीधकोरुखायेफल

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

शबरीकेशिलाशापशमननिबाह्योनेहकोलको ॥ तुल
सीउराउहोतरामकोसुभाउसुनिकौनबलिजाइनबि
काइबिनमोलको ॥ ऐसेहुसुसाहिबसेजाकोअनुरागन
सोबड़ोइअभागोभागभागेलोभलोकको ॥ ५६ ॥
शूरसिरताजमहाराजनकेमहाराजजाकोनामलेतहिंसु
खेतहोतऊसरो ॥ साहिबकहांजहानजानकीशसोसु
जानसुमिरेकृपालुकेमरालहोतखूसरो ॥ केवटपषाण
यातुधानकपिभालुतारेअपनायोतुलसीसोधोंगधमधू
सरो ॥ बोलकोअटलबांहकोपगारदीनबंधुदूबरेकोदा
निकोदयानिधानदूसरो ॥ ५७ ॥ कीबेकोबिशोक
लोकलोकपाहूतेसबकोउभयोआपचरवाहोकपिभा
लुको ॥ पविकोपहारकियोख्यालहीकृपालुरामबापु
रोबिभीषणघरौंधाहोतबालको ॥ नामओटलेतही
निखोतहोतखोटखलचोटबिनुमोटपाइभयोनाहिंहाल
को ॥ तुलसीकीबारबलिढीलहोतशीलसिंधुबिगरी
सुधारबेकोदूसरोदयालुको ॥ ५८ ॥ नामलियेपूत

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

कोपुनीतकियेपातकीसुआरतिनिवारीप्रभुपाहिकेहे
पीलकी ॥ छलनकीछोंड़ीसीनिगोड़ीछोंड़ीजातिपां
तिकीन्हीलीनआपमेंभामिनीभोड़ीभीलकी ॥ तुल
सीअवतारवोबिसारबोनअंतमोहुँनीकेहैप्रतीतिशावे
स्वभावशीलकी ॥ देवतौदयानिकेतदेतदादिदीनन
कीमेरीबारमेरीहीअभागनाथढीलकी ॥ ५९ ॥ आ
गेपरेपाहनकृपाकिरातकोलनिकपीशनिशिचरअप
नाएआएमाथजू ॥ सांचीसेवकाईहनुमानकीसुजानरा
यरिनियाकहायेहैबिकानेताकेहाथजू ॥ तुलसीसेखो
टेखरेहोतओटनामहीकीमहँगीमाटीमगहूंकीमृगमदसा
थजू ॥ बातचलेबातकोनमानिबोबिलगबलिका
कीसेवारीझिकेनेवाजेरघुनाथजू ॥ ६० ॥ कौ
शिककीचलतिपाषाणकीपरसपाइछटतधनुषबनि
गईहैजनककी ॥ कोलखशशबरीबिहंगभालूरातिच
रचरिनकेलालचिनप्रापतिमनककी ॥ कोटिकला
कुशलकृपालुनतपालतहांबातहुंकितेकतृणतुलसीत

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

नककी ॥ रायदशरत्थकेसमर्थरामराजमणितेरेंहेरेलो पैलिपिबिधिहूंगनककी ॥ ६१ ॥ शिलाशापपापगु हगीधकोमिलापसेवरीकेबापआपचलिगएहौसोसुनी मैं ॥ सेवकसराहेंकपिनायकबिभीषणकोभरतसभा सादरसनेहसुरधनीमैं ॥ आलसीअभागीअघीआरत अनाथपालसाहेबसमर्थएकनीकेमनगुनीमैं ॥ दोषदुख दारिददलैयादीनबंधुरामतुलसीनदूसरोदयानिधान दूनीमैं ॥ ६२ ॥ मीतबालिबंधुपूतदूतदशकंधबंधुस चिवसराधसाधसेवरीजटाइको ॥ लंकजरीजोहौजि यशोचसोबिभीषणकोकहौऐसेसाहेबकीसेवानखटा इको ॥ बड़ेएकएकतेअनेकलोकलोकनाथअपनेअप नेकीतौकहैगोघटाइको ॥ सांकरेकोसइबोसराहबेसु मिरिबेकोरामसोनसाहेबनकुमतिकटाइको ॥ ६३ ॥ भूमिपालव्यालपाललोकपालनाकपालकारणकृपा लुमैसबैकेजोकीथाहली ॥ कादरकोआदरकाहूके नाहींदेखियतसबनसोहातहैसेवासुजानटाहली ॥ तु

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

लसीसुभायकहैनकी कछुपक्षपातकोनेईशकिएकी शभालूखासमाहली ॥ रामहीकेद्वारेपैबुलाइसनमा नियतमोसेदीनदूवरेकपूतकूरकाहली ॥ ६४ ॥ सेवा अनुरूपफलदेतभूपदेवज्योबिहीनेगुणपथिकपियासे जातपथके ॥ लेखेजोखेचोखेचिततुलसीस्वारथहित नीके देखेदेवतादेवैयागुणगथके ॥ गीधमानोगुरुक पिभालुमानोभीतकेपुनीतगीतसाकेसबसाहेबसमर्थ के ॥ औरभूपपरखिसुलाखितौलिताइलेतलसमके खसमतुहींपैदशरत्थके ॥ ६५ ॥ रीतिमहाराजकीनि वाजिएजोमांगनोसोदोषदुखदारिददरिद्रकैकैछोड़ि ये ॥ नामजाकोकामतरुदेतफलचारिताहितुलसी बिहाइकैबबूररेंड़गोड़िये ॥ याचैकोनरेशदेशकोकले शकरैदेहैतोप्रसन्नव्हैबड़ीबड़ाइबोड़िये ॥ कृपापाथना थलोकनाथनाथसीतानाथतजिरघुनाथऔरकाहि अबओड़िये ॥ ६६ ॥ ॥ सवैया ॥ जाकेबि लोकेतलोकपहोतबिशोकलहैंसुरलोकसुठौरहि ॥

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

सोकमलातजिचंचलताअरुकोटिकलारीझवैशिरमो
रहि ॥ ताकोकहाइकहैतुलसीतुलजाहिनमांगतकूकु
रकौरहि ॥ जानकीजीवनकोजनव्हैजरिजाउसोजी
हजोयाचतऔरहि ॥ ६७ ॥ जडपंचमिलैजेहिजेहक
रीकरणीदेखुधौंधरणीधरकी ॥ जनकीकहुक्यौंकरि
हैनसँभारजोसारकरैसचराचरकी ॥ तुलसीकहुराम
समानकोआनहैसेवकिजासुरमाघरकी ॥ जगमेंगति
जाहिजगत्पतिकीपरवाहिसोताहिकहानरकी ॥६८॥
जगयाचियकोउनयाचियजोजिययाचियजानकीजा
नहिरे ॥ जेहियाचतयाचकताजरिजाईजोजोरतजोर
जहानहिरे ॥ गतिदेखुबिचारिबिभीषणकीअरुआनि
हिएअनुमानहिरे ॥ तुलसीभजुदारिददोषदवानलसं
कटकोटिकृपानहिरे ॥ ६९ ॥ सुनुकानदिएनितनेम
लिएरघुनाथहिकेगुणगाथहिरे ॥ सुखमंदिरसुंदररूप
सदाउरआनिधरेधनुमाथहिरे ॥ रसनानिशिवासरसा
दरसोंतुलसीजपुजानकिनाथहिरे ॥ करुसंगसुशीलसु
संतनसोंतजिकूकुरपंथकुसाथहिरे ॥७०॥ सुतदारअगा

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

रअगारसखापरिवारविलोकुमहाकुसमाजहिरे ॥ स
कीममतातजिकैसमतातजिसंतसभानबिराजहिरे ।
नरदेहकहाकरिदेखुबिचारगँवारबिगारनकाजहिरे ।
जनिडोलहिलोलुपकूकरज्यौतुलसीभजकौसलरा
हिरे ॥ ७१ ॥ विषयापरनारिनिशातरुणाइसोपा
पऱ्योअनुरागहिरे ॥ यमकेपहरुदुखरोगबियोगबिल
कतहूंनबिरागहिरे ॥ ममताबशतेसबभूलिगयोभ
भूरमहाभयभागहिरे ॥ जरठाईंदशारबिकालउ
अजहूंजड़जीवनजागहिरे ॥ ७२ ॥ जनम्यों
हियोनिअनेकक्रियासुखलागिकरीनपरैबरणी ।
जननीजनकादिहितूभयेभूरिबहोरिभईउरकीजरणी ।
तुलसीअबरामकोदासकहाइहियेधरुचातककीधर
णी ॥ करिहंसकोबेषबड़ोसबतेतजिधौंबकबायसक
करणी ॥ ७३ ॥ भलिभारतभूमिभलाकुलजन
समाजशरीरभलोलहिकै ॥ ममताकर्षांतजिकैब
हिममारुतघामसदासहिकै ॥ जोभजैभगवानस

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

नसोईतुलसीहठचातकज्योंगहिकै ॥ नतोऔरसबैबि
षबीजबयेहरहाटककामधुकानहिकै ॥ ७४ ॥ सोसुकृ
तीशुचिमंतसुसंतसुजानसुशीलशिरोमणिखै ॥ सुरती
रथतासुमनावतआवनपापनहौतहैतातनछै ॥ गुणगेह
सनेहकोभाजनसोसबहीसोउठाइकहौंभुजद्वै ॥ सति
भावसदाछलछांड़िसबैतुलसीजोरहैरघुवीरकोव्है ॥
॥ ७५ ॥ सोजननीसोपितासोइभ्रातसोभामिनिसो
सुतसोहितमेरो ॥ सोइसगोसोसखासोइसेवकसोगुरु
सोसुरसाहिबचेरो ॥ सोतुलसीप्रियप्राणसमानकहां
लौबनाइकहौंबहुतेरो ॥ जोतजिदेहकोगेहकोमेहसने
हसोरामकोहोइसबेरो ॥ ७६ ॥ रामहैंमातुपितासुतबं
धुऔसंगीसखागुरुस्वामिसनेही ॥ रामकीसौंहभरोसो
हैरामकोरामरंगीरुचिराचोगकेही ॥ जीवतरामसुएपु
निरामसदारघुनाथहिकीगतिजेही ॥ सोइजियैजगमेंतु
लसीनतडोलतऔरमुएधरदेही ॥७७॥ सियरामस्वरू
पअगाधअनूपबिलोचनमीननकोजलहै ॥ श्रुतिराम

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

कथासुखरामकोनामहिएपुनिरामहिकोथलहै ॥ म
रामहिंसोंगतिरामहिंसोंरतिरामसों रामहिकोबलहै। त
सबकीनकहैतुलसीकेमतेयतनोजगजीवनकोफलहै।
॥ ७८ ॥ दशरथकेदानिशिरोमणिरामपुराणप्रसि
सुन्योजसमैं ॥ नरनागसुरासुरयाचकजोतुमसोंमनभ
वतपावनमैं ॥ तुलसीकरजोरिकरैबिनतीजोकृपा
रिदीनदयालसुनैं ॥ जेहिदेहसनेहनरावरेसोयेहिदेह
राइकैकाहजनै ॥ ७९ ॥ झूंठोहैझूंठोहैयहीसदाजग
तकहतजनअंतलहाहै ॥ ताकोसहैशठशंकटकोटिक
ढतदंतकरंतहहाहै ॥ जानपनीकोगुमानबड़ोतुलसी
बिचारगँवारमहाहै ॥ जानकीजीवनजाननजान्योतं
जानकहावतजानकहाहै ॥ ८० ॥ तिनतेखरशूक
श्वानभलेजड़ताबशतेनकहैंकछुवै ॥ तुलसीजेहिरा
सोंनेहनहीसोसहीहैपशूबिनुपोंछबिषाणद्वै ॥ जनन
कृतभारभुईदसमासभईकिनबांझगईकिनच्वै ॥ जा
जाउसोजीवनजानकीनाथजियैजगमैंतुह्मारोबिनुव्है ।

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

॥ ८१ ॥ गजवाजिघटाभलेभूरिभटाबनितासुतभौंह
तकैंसबकै ॥ धरणीधनधामशरीरभलीसुरलोकहुंचा
हिइहैसुखखै ॥ सबफोकटसाकटहैतुलसीअपनोनकछू
सपनोदिनद्वै ॥ जरिजाउसोजीवनजानकीनाथजियै
जगमेंतुह्मरोबिनुव्है ॥ ८२ ॥ सुरराजसोराजसमाज
समृद्धिविरंचिधनाधिपसोधनमों ॥ पवमानसोपावक
सोयमसोमसोपूषणसोभवभूषणमों ॥ करियोगसमा
धिसमीरनसाधिकैधीरबड़ोवशहूंमनमों ॥ सबजायसु
भायकैहतुलसीजोनजानकीजीवनकोजनमों ॥८३॥
कामसेरूपप्रतापदिनेशसेसोमसेशीलगनेशसेमाने ॥
हरिचंदसेसांचेबड़ेबिधिसेमघवासेमहीपविषयसुखसा
ने ॥ शुकसेमुनिशारदसेवकताचिरजीवनलोमसतेअ
धिकाने ॥ ऐसेभएतोकहातुलसीजोपैराजिवलोचन
रामनजाने ॥ ८४ ॥ झूमतद्वारअनेकमतंगजजोरजड़े
मदअंबुचुचाते ॥ तोखेतुरंगमनोगतिचंचलपौंनकेगौं
नहुतेबढ़िजाते ॥ भीतरचंद्रमुखीअवलोकतिबाहिरभू

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

पखड़ेनसमाते ॥ ऐसेभयेतोकहातुलसीजोपैजानकी
नाथकेरंगनराते ॥ ८५ ॥ राजसुरेशपचासककोवि
धिकेकरकोजोपटोलिखिपाये ॥ पूतसपूतपुनीतपि
यानुजसुंदरताशतिकोमदनाये ॥ संपतिसिद्धिसबै
तुलसी मनकीमनसाचितवैचितलाये ॥ जानकीजी
वनजानेबिनाजनऐसेउयौवनजीवतज्याये ॥ ८६ ॥
कृशगातललातजोरोटिनकोघरबातखरीखुरपाखरि
या ॥ तिनसोनेकेमेरुसेढेरलहेमनतौनभऱ्योघरपैभ
रिया ॥ तुलसीदुखदूनोदशादुहुंदेखिकियोमुखदारि
दकोकरिया ॥ तजिआसभोदासरघूपतिकेदशरत्थ
केदानिदयादरिया ॥ ८७ ॥ कोमरिहैहरिकेरितये
रितवैपुनिकोहरिजोभरिकै ॥ उथपैतेहिकोजेहिराम
थपैथपिहैतेहिकोहरिजोटरिहै ॥ तुलसीयहजानिहिये
अपनेसपनेनहिंकालहुसेडरिहै ॥ कुमयाकछुहानिन
औरनकीजौपैजानकीनाथकृपाकरिहै ॥ ८८ ॥ व्या
लकरालमहाविषपावकमत्तगयंदनकेरदतोरे ॥ सांस

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

तिशंकिचलीडरपैहुतेकिंकरतेकरणीमुखमोरे ॥ नेकु
बिषादनहींप्रल्हादहिंकारणकेहरिकेबलहोरे ॥ कौन
कीत्रासकरीतुलसीजोपैराखिहैंरामतोमारिहैकोरे ॥
॥ ८९ ॥ कृपाजेहिकोकछुकाजनहीनअकाजकछूजे
हिकेमुखमोरे ॥ करेतिनकीदरवाहिकोजाहिविषाण
नपूंछफिरैदिनदोरे ॥ तुलसीजेहिकेरघुबीरसेनाथसम
र्थसोसेवतरीझतथोरे ॥ कहाभवभीरपरीतेहिधौंबिचरै
धरणीतिनसोंतृणतोरे ॥ ९० ॥ काननभूधरवारिब
यारिमहाविषव्याधिदवाअरिघेरे ॥ संकटकोटिजहांतु
लसीसुतमातपिताहितबंधुननेरे ॥ राखिहैंरामकृपा
लुतहांहनुमानसेसेवकहैंजेहिकेरे ॥ नाकरसातलभूत
लमेंरघुनायकएकसहायकमेरे ॥ ९१ ॥ जबहींयमरा
जरजायसुतेमोहिंलैचलिहैं भटबांधिनटैया ॥ ज़हँतात
नमातनस्वामिसखासुतबंधुबिशालबिपत्तिबटैया ॥
सांसतिघोरपुकारतआरतकोनसुनैचहुँऔरडटैया ॥
एककृपालुतहांतुलसीदशरत्थकेनंदनबंदिकटैया ॥

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

॥ ९२ ॥ जहांयमयातनघोरनदीभटकोटिजलच्चरदं
तदैवैया ॥ जहँधारभयंकरवारनपारनबोहितनावनमी
तखैवैया ॥ तुलसीजहँमातुपितानसखानहिंकोउकहं
अवलंबदेवैया ॥ तहांबिनुकारणरामकृपालुबिशाल
भुजागहिकाढ़िलैवैया ॥ ९३ ॥ जहांहितस्वामिनसं
गसखाबनितासुतबंधुनबापनमैया ॥ कायगिरामन
केजनकेअपराधसबैछलछांड़िछमैया ॥ तुलसीतेहि
कालकृपालुबिनादुजौकोनहैदारुणदुःखदमैया ॥ ज
हांसबसंकटदुर्घटशोचतहांमेरोसाहिबराखैरमैया ॥
॥ ९४ ॥ तापसकोबरदायकदेवसबैपुनिबैरबढ़ावत
बाढ़े ॥ थोरेहीकोपकृपापुनिथोरेहीबैठिकैजोरततोरे
तठाढ़े ॥ ठोंकिबजायलियोगजराजकहांलौंकहौंसके
सोरदकाढ़े ॥ आरतकेहितनाथअनाथकेरामसहायस
हीदिनगाढ़े ॥ ९५ ॥ जपयोगबिरागमहामखसाधन
दानदयादमकोटिकरैं ॥ मुनिसिद्धसुरेशमहेशगणेश
सेवतजन्मअनेकमरैं ॥ निगमागमज्ञानपुराणपढ़ैंतपसा

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

नलभेयुगपुंजजरैं ॥ मनसोंपणरोंपिकैहैतुलसीरघुनाथ
बिनादुखकौनहरैं ॥ ९६ ॥ पातकपीनकुदारिददीन
मलीनधरैकथवीकरवाहै ॥ लोककहैबिधिहूंनलि
ख्योसपनेहूँनहींअपनेबरवाहै ॥ रामकोकिंकरसोतुल
सीसमुझेहीभलोकहवोनरवाहै ॥ ऐसोभयोकबहूंनभ
जेबिनुबानरवानरकोचरवाहै ॥ ९७ ॥ मातपिताज
गजालतज्योंबिधिहूंनलिख्योकछुभालभलाई ॥ नी
चनिसाचरभाजनकादरकूकुरटूकनलागिललाई ॥ रा
मस्वभावसुन्योतुलसीप्रभुसोकह्योबारकपेटखलाई ॥
स्वारथकोपरमारथकोरघुनाथसोसाहेबखोरिनलाई ॥
॥ ९८ ॥ पापहरेपरितापहरेतनुपूजिभोहीतुल
शीतलताई ॥ हंसकियोबकतेबलिजाऊंकहांलौंक
हौंकरुणाअधिकाई ॥ कालबिलोकिकहैतुलसीमन
मैंप्रभुकीपरतीतिअघाई ॥ जन्मजहांतहंरावरेसोंनिबहे
भरिदेहसनेहसगाई ॥ ९९ ॥ लोककहैंअरुहौंहूकहूंज
नखोटोखरोरघुनायकहीको ॥ रावरोरामबड़ीलघुता

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

यशमेरामयोसुखदायकहीको ॥ कैयहहानिसोंमैंबलि
जाऊंकिमोंहूंकरोनिजलायकहीको ॥ आनिहिएहि
तजानिकरोचाहौंध्यानधरोधनुशायकहीको॥२००॥
आपुहौआयुकोनीकेकैजानतरावरोरामभरायोगढ़ा
यो ॥ कीरज्योंनामरटैतुलसीसोकहैजनजानकिनाथ
पढ़ायो ॥ सोइहैखेदजोबेदकहैनघटैजनजोरघुबीरब
ढ़ायो ॥ हौतोसदाखरकोअसवारतिहारेईनामगयंदच
ढ़ायो ॥ १ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ क्षारतेसवा
रिकैपहारहूंतेभारिकियोसारोभयोपांचमेंपुनीतपक्ष
पाइकै ॥ हौंतौजैसोतबैतसोअबअधमाइकैकैभरोपे
टरामरावरेईगुणगाइकै ॥ आपनिवाजेकीपैकीजैला
जमहाराजमेरीआरहेरिकैनबैठियरिसाइकै ॥ पालि
कैकृपालुव्यालबालकोनमारिये औकाटियेननाथ
विषहूकोरूखलाइकै ॥ २ ॥ वेदनपुराणगानजानौं
विज्ञानज्ञानध्यानधारणासमाधिसाधनप्रवीणता ।
नाहिंनेबिरागयोगयागभोगतुलसीकेदयादानदूबरो

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

हौंपाधहीकीपीनता ॥ लोभमोहकामकोपदोषकोश
मोसोंकौनकलिहूंसिखिलईमेरीऐमलीनता ॥ एक
हीभरोसोरामशवरोकहावतहौं रावरेदयालुदीनबंधुमे
रीदीनता ॥३॥ रावरोकहावोंगुणगावोंरामरावरोईरो
टीद्वैहौंपावोंरामरावहीहिकानिहौं ॥ जानतजहानमन
मेरेहूंगुमानबड़ोमानौंमैंनदूसरो नमानतुनमानिहौं ॥
पांचकीप्रतीतिनभरोसोमोहिंआपनोईतुमअपनाइहौ
तबहिंपरिजानिहौं ॥ गढ़िगुढ़िछोलिछालिकुंदके
सीभाईबातैजैसीमुखकहौं तैसीजोयजबआनिहौं ॥
॥ ४ ॥ बचनबिकारबहुकरतखुवारमनबिगत
बिचारकलिमलकोनिधानुहै ॥ रामकोकहाइनामबें
चिबेंचिखाइसेवासंगतिनजाइपाछिलेकोपरवानुहै ॥
तेहूतुलसीकोलोगभलोभलोकहैंताकोदूसरोनहेतुए
कनीकेकोनिदानुहै ॥ लोकरीतिबिदितबिलो
कियतजहांतहांस्वामिकेसनेहश्वानहूंकोसनमानुहै ॥
॥ ५ ॥ स्वारथकोसाजनसमाजपरमारथकोमोसोद

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

गाबाजदूसरोजगजालहै ॥ कौनआयोंकरौंनकरौंगो
करतूतिभलीलिखीनविरंचिहूभलाईभूलिभालहै ॥
शवरीसपथरामनामहींकीगतिमेरेइहांझूठोजोईझूठो
सोईतिहूंकालहै ॥ तुलसीकोभलोपैतुह्मारोहिकिये
कृपालुकीजैनविलंबबलिपानीभरीखालहै ॥ ६ ॥
रागकोनसाजनविरागयोगयागजियकायमनछांड़िदे
तठाढ़िबोकुठाटको ॥ मनोराजकरतअकाजभयोआ
जुलगिचाहौंचारुचीरपैलहीनट्ककठाटको ॥ यौंहीक-
रताखड़ेकूरकोकृपालुअतिपायोंनामपारसहौंलाल
चीवराटको ॥ तुलसीकीबाणीरामरावरेबनाईनतो
धोबीकैसोकूकुरनघरकोनघाटको ॥ ७ ॥ ऊंचोमनऊं
चीरुचिभागनीचोनिपटहिलोकरीतिलायकनलंगर
लबारहै ॥ स्वारथअगमपरमारथकीकहाचलीपेटकी
कठिनजगजावकोजवारहै ॥ चाकरीनआकरीनखेती
नबणिजभेखजानतनकूरकछूकिसिमकबारहै ॥ तुल
सीकीबाजीराखीरामहीकेनामनतोभेंटपितरनसोंनमू

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

ड़हूमेबारहै ॥ ८ ॥ अपतउतारअपकारकोअगारज
गजाकेछांहछुयेसहमतव्याधबाधको ॥ पातकपुहुमि
पालिबेकोसहसाननकपटकोढेरऔपयोधिअपराध
को ॥ तुलसीसेबामकोभोदाहिनोदयानिधानसुन
तसिहातसबसिद्धसाधुसाधको ॥ रामनामललितस
लामकियेलाखनकोबड़ो क्रूरकायरकपूतकौड़ीआ
धको ॥ ९ ॥ सबअंगहीनसबसाधनबिहीनमनबचन
मलीनहीनक्रूरकरतूतिहौं ॥ बुधिबलहीनभावभगति
बिहीन दीनगुणज्ञानहीन हीनभागहुंबिभूतिहौं ॥
तुलसीगरीबकीगईबहोररामनामजाहिजपिजीहराम
हूंकोबैठोधूतिहौं ॥ प्रीतिरामनामसेप्रतीतिरामनाम
कीप्रसादरामनामकेपसारिपांइसूतिहौं ॥ १० ॥
मेरेजानजबतेहौंजीवव्हैजनम्योजगतबतेबेसाह्योदा
मलोहकोहकामको ॥ मनतिनहींकीसेवतिनहींसों
भावनीकोबचनबनाइकहौंहौंगुलामरामको ॥ नाथ
हुनअपनायोलोकरूढ़ीव्हैपरीपैप्रभुहुतेप्रबलप्रतापप्र

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

सुनामको ॥ अपनीभलाईभलोकीजैतोभलाईभलो
तुलसीकोखुलैतोखजानोखोटेदामको ॥ ११ ॥यो
गनबिरागजपयागतपत्यागव्रत तीरथनधर्मजानोबेद
बिधिकिमिहै ॥ तुलसीसोपोचनभयोहैनहींव्हैहैकहूं
सोचैसबयाकेअघकैसेप्रभुछमिहै ॥मेरेतौनउररघुबीर
सुनौंसांचीकहौंखलअनचैहैं तुह्मैंसज्जननिगमहै ॥भ
लेसुकृतीकेसंगमोहिंतुलातौलिएतौ नामकेप्रसाद
भारमेरीओरनमिहै॥१२॥जातिकेकुजातिकेअजाति
केपटागिबशखाएट्कसबके बिदितबातद्दुनिसो ॥मा
नसबचनकायकियेपापसतिभायरामकोकहायदासद
गाबाजपुनिसो ॥ रामनामकोप्रभावधाउमहिमाप्र
तापतुलसीसोजममानियतमहामुनिसो ॥ अतिहिअ
भागोअनुरागतनरामपदमूढ़येतबड़ोअचरजदेखिसुनी
सो ॥ १३ ॥ जायोकुलमंगनबधावनोबजायोसुनिभ
योपरितापपापजननीजनकको ॥ बारेतललातबि
ललातद्वारद्वारदीनजानतहौंचारि फलचारिहिचन

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

ककोे ॥ तुलसीसोसाहिबसमर्थकोसुसेवकहिसुनतसि
हातशोचबिधिहूंगनककोे ॥ नामरामरावरोसयानकि
धौंबावरोजोकरतगिरितैगरुतृणतेतनककोे ॥१४॥ बे
दहूंपुराणकहीलोकहूंबिलोकियतरामनामहीसोंरीझे
सकलभलाईहै ॥कासीहूंमरतउपदेशतमहेशसोईसाध
नअनेकचितईनचितलाईहैं॥ छांछकोललातजेतेराम
नामकेप्रसादखातखुनसातसोंघेदूधकीमलाईहै ॥ राम
राजसुनियतराजनीतिकीअवधिनामरामरावरेतोचा
मकीचलाईहै॥१५॥ शोचसंकटनिशोचसंकटपरतजर
जरतप्रभाउनामललितललामको ॥ बूड़ीयोतरतबि
गरीयोसुधरत बातहोतदेखिदाहिनोसुभाउविधिबाम
को ॥ मांगतअभागअनुरागऔबिरागभागजागतआ
लसतुलसीहूंसे निकामको ॥ धाईधारिफिरिकैगोहा
रिहितकारीहोतआईमीच मिटतजपतरामनामको ॥
॥ १६ ॥ आंधरोअधमजड़जाजरोजराजमनसूकरके
शावकटकाटकेलोमंगमे ॥ गिऱ्योहिएहहरिहरामहो

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

हरामहन्याहाइहाइकरतपरिगोकालफंदमैं ॥ तुलसी
बिशोकव्है तिलोकपतिलोकगयो नामकेप्रतापबात
बिदितहैजंगमैं ॥ सोईरामनामजोसनेहसोंजपतजन
ताकीमहिमाक्योंकहीहैजागतअंगमैं ॥ १७ ॥ जप
कीनतपखपकियो नकमाईजोगयागनबिरागत्याग
तीरथनतनको ॥ भाईकोभरोसोनखरोसोबैरबरीहू
सोबलअपनोनहितजननीजनकको ॥ लोककोनशो
चदेवसेवानसहायगर्वधामकोनधनको ॥ रामहींकेना
मतेजोहोइसोइनीकोलागैऐसोइस्वभावकछुतुलसीके
मनको ॥ १८ ॥ ईशनगणेशनदिनेशनसुरेशसनगौ
रिगिरापतिनहींतनजपौजपने ॥ तुह्मारोईनामको
भरोसोभवतरिबेको बैठेउठेजागतबागतसुखसपने ॥
तुलसीहैबावरोसोरावरोईरावरीसोंरावरेहूजानिजिय
कीजियेजअपने ॥ जानकीजीवनमेरेरावरेवदनफेरेठां
उँनसमाउँकहूंसकलनिरपने ॥ १९ ॥ जाहिरजहान
मैंजमानोएकभांतिभयोबेंचियबिबुधधेनुरासभीबेसा

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

हिये ॥ ऐसेउकरालकलिकालमेंकृपाळुतेरेनाम
केप्रतापनत्रितापतनुदहिये ॥ तुलसीतिहारोमनबच
नकरमजनयेहूनातोनेहनिजओरतेनिबाहिये ॥ रंक
केनिवाजरघुराजराजाराजनके उमिरिदराज महारा
जातेरीचाहिये ॥ २० ॥ स्वारथसमाननप्रपंचपरमा
रथकहायोरामरावरोहोजानतजहानुहै ॥ नामकेप्रता
पबापआजलौंनिबाहीनीकीआगेकोगोसांई स्वामी
सबलसुजानहै ॥ कलिकीकुचालिदेखिदिनदिनदूनी
देवपाहरूईचोरहेरिहियहहरानुहै ॥ तुलसीकीबलिबा
रबारहींसँभारकीबीयद्यपिकृपानिधानसदासाव
धानहै ॥ २१ ॥ दिनदिनदूनीदेखीदारिदुकालदु
खदुरितदुराजसुखसुकृतसकोचहै ॥ मांगैपैनपावतप्र
चारिपातकीप्रचंडकालकीकरालताभलेकोहोतपो
चहै ॥ आपनेतौयेकअवलंबअंबईसज्योंसमर्थसीता
नाथसबसंकटबिमोचहै ॥ तुलसीकीसाहससराहियेकृ
पालुरामनामकेभरोसेपरिणामकोनशोचहै ॥ २२ ॥

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

मोहमदमातोरातोकुमतिकुनारिसोबिसारिबेद्लोक लाजआकरोअचेतहै ॥ भावैसोकरतमुखआवैसोकह तकछुकाहूकीसहतनाहींकरनसंहेतहै ॥ तुलसीअधि कअधमाइहूंअजामिलतेताहुमेसहायकलिकपटनिके तहै ॥ जैवेकीअनेकटेकएकटेकव्हैबेकीसोपेटप्रियपू तहितरामनामलेतहै ॥ २३ ॥ जागियेनसोइयेजन्म जाइदिनदुखरोइएकलेसकोहमोहमदकामको ॥ रा जारंकरागीऔबिरागीभूरिभागीएअभागीजीवजरत प्रभावकलिबामको ॥ तुलसीकबंधकैसोधाइबोबिचा रुअंधधुंधदेखियतजगशोचपरिणामको ॥ सोइबोजो रामकेसनेहकीसमाधिसुखजागिबोजोजीहजपैनीके रामनामको ॥ २४ ॥ बर्णधरमगयोआश्रमनिवासत ज्योत्रासनचकितसोपरावनोपरोसोहै ॥ परमउपास नाकुबासनाबिनासोज्ञानबचनबिरागबेषजगतहरो सोहै ॥ गोरखजगायोयोगभक्तिभगायोलोगनिगम नियोगतेसोकलिहिछरोसोहै ॥ कायमनबचनसुभाय

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

तुलसीहैजाहिरामनामकोभरोसोताहीकोभरोसोहै ॥
॥ २५ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ बेदपुराणबिहायसुपंथ
कुमारगकोटिकुचालिचलीहै ॥ कालकरालनृपाल
कृपालुनराजसमाजबड़ोइछलीहै ॥ वर्णबिभागनआ
श्रमधर्मदुनीदुखदोषदरिद्रदलीहै ॥स्वारथकोपरमारथ
कोकलिरामकोनामप्रतापबलीहै ॥ २६ ॥ नमिटैभ
वसंकटदुर्घटहैतपतीरथजन्मअनेकअटौ ॥ कलिमेंन
बिरागनज्ञानकहूंसबलागतफोकटझूठजटौ ॥ नटज्यों
जिनपेटककोटिकचेटककौतुकआदिकठाढ़ठटौ ॥ तु
लसीजोसदासुखचाहियेरसनानिसिवासररामरटौ ॥
॥ २७ ॥ दमदुर्गमदानदयामखकर्मसुधर्मअधीनसबैध
नको ॥ तपतीरथसाधनयोगबिरागसोहाइनहींदृढ़ता
तनको ॥ कलिकालकरालमेंरामकृपालइहैअवलंब
बड़ोमनको ॥ तुलसीसबसाधनहीनसबैएकनामअधा
रसदाजनको ॥ २८ ॥ पाइसुदेहबिमोहनदीतरणीन
लहीकरणीनकछूकी ॥ रामकथाबरणीनबनाइसुनी

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

कीकथाप्रह्लादनध्रूकी ॥ अबजोरजराजरिगातगये
मनमानिगलानिकुबानिनमूकी ॥ नीकेकैठीकदईतु
लसीअवलंबबड़ीउरअरदूकी ॥ २९ ॥ रामबिहायम
राजपतेबिगरीसुधरीकबिकोकिलहूकी ॥ नामहितेग
जकीगणिकाहुअजामिलकीचलिगैचलचूकी ॥ रा
मप्रतापबड़ेकुसमाजबजाइरहीपतिपंडुवधूको ॥ ता
कोभलोअजहूंतुलसीजेहिप्रीतिप्रतीतिहैअक्षरदोकी॥
॥ ३० ॥ नामअजामिलसेखलतारणतारणबानरबा
वधूको॥नामहरेप्रह्लादबिषादपिताभयसांसतिसागरसू
को ॥ नामसोंप्रीतिप्रतीतिविहीनगिलोकलिकाल
करालनचूको ॥ राखिहैंरामसोजासुहियेतुलसीहुल
सैबलआखरदूको ॥ ३१ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥
खेतीनकिसानकोभिखारीकोनभीखबलिबणिककों
बणिजनचाकरकोचाकरी ॥ जीविकाबिहीनलोग
विद्यावानशोचबशकहैंएकएकनसोंकहांजाइकाकरी।
वेदहूंपुराणकहीलोकहूंबिलोकियतसांकरेसबकोराम

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

रावरेकृपाकरी ॥ दारिददशाननदबाईदुनीदीनबंधुदु
रितदहतदेखितुलसीहहाकरी ॥ ३२ ॥ कुलकरतूति
भूतिकीरतिस्वरूपगुणजोबनज्वरजरतपरतनकछूक
ही ॥ राजकाजकुपथकुसाजभोगरागहीकेबेदबुधबि
द्यापाइबिवशबलकही ॥ गतितुलसीशकीलखतनहिं
जोतुरतपबितेकरतक्षारयवसोपलकही ॥ कासोंकीजे
रोषदोषदीजैकाहिपाहिरामकियोकलिकालकुलिख
लनपलकही ॥ ३३ ॥ बबुरबहेरेकोबनाइबागलाइ
यतरूंधबेकोसोऊसुरतरुकाटियतहैं ॥ गारीदेतेनीच
हरिचंदहूंदधीचहूकोआपनेचनाचबाइहाथचाटियत
हैं ॥ आपुमहापातकीहँसतहरिहरहूंकोअहैंआपुहैंअभा
गीभूरिभागीडांटियतहैं ॥ कलिकेकलुषमनमलिन
किएकहतमसककीपांसुरी पयोधिपाटियतहैं ॥३४॥
सुनियेकरालकलिकालभूमिपालतुमजाहिघालोचा
हिएकहोधौंराखैताहिको ॥ हौंतोदीनदूबरोबिगा
रोढारोंरावरोनमैंहूंतैहूंताहिको सकलजगजाहिको ॥

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

कामक्रोधलाइकेदेखाइयतआंखिमोहिंयेतेमानअकस कीबेकोआपुआहिको ॥ साहिबसुजानजनश्वानहूं कोपक्षकियोरामबोलोनामहौं गुलामरामसाहिको ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ सांचीकहौंकलि कालकरालमेंडारैंबिगारोतिहारोकहाहै ॥ कामको लोभकोक्रोधकोमोहकोमोहींसोंआनिप्रपंचरहाहै ॥ हौंजगनायकलायकआजुपैमेरीयोंटेवकुटेवमहाहै ॥ जानकीनाथबिनातुलसीजगदूसरेसोंकरिहैनहहाहै ॥ ॥ २६ ॥ भागीरथीजलपानकरोंअरुनानद्वैरामकेलेत नितैहौं ॥ मोसोंनलेनोनदेनोकछूकलिभूलनरावरेओ रचितैहौं ॥ जानिकैजोरकरौंपरिणामतुह्मैपछितैहौपै मैंनभितैहौं ॥ ब्राह्मणज्योंउगिल्योउरगारिहौंत्योंही तिहारेहियेनहितैहौं ॥ ३७ ॥ राजमरालकेबालकपे लिकैपालतलालतखूसरको ॥ शुचिसुंदरसालिसके लिसँवारिकैबीजबटोरतऊसरको ॥ गुणज्ञानगुमानभ भेरीबड़ोकल्पद्रुमकाटतभूसरको ॥ कलिकालबिचा

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

रअचारहरीनहिंसूझैकछूधमधूसरको ॥ ३८ ॥ कीजे
कहापढ़िबेकोकहाफलबूझिनबेदकोभेदबिचाऱ्यो ॥
स्वारथकोपरमारथकोकलिकामदरामकोनामबिसा
ऱ्यो ॥ वादविवादविषादबढ़ाइकै छातीपराईऔआप
नीजाऱ्यो ॥ चारिहुकोछहुकोनवकोदसआठकोपा
ठकुकाठज्योंफाऱ्यो ॥ ३९ ॥ आगमबेदपुराणब
खानतकोटिकमारगजाहिंनजाने ॥ जेमुनितेपुनिआ
पुहिआपुकोईशकहावतसिद्धसयाने ॥ धर्मसबैकलि
कालग्रसेजपयोगबिरागलैजीवपराने ॥ कोकरिशो
चमरैतुलसीहमजानकीनाथकेहाथबिकाने ॥४०॥ धू
तकहौअवधूतकहौरजपूतकहौजोलहाकहौकोऊ ॥ का
हुकीबेटीसोंबेटानव्याहिहौंकाहुकोजातबिगारनसो
ऊ ॥ तुलसीसरनामगुलामहै रामकोताकोरुचैसो
कहैकछुओऊ ॥ मांगिकैखैबोंमजीतकोसोइबोलैबो
नएकनदेबेकोदोऊ ॥ ४१ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥
॥ मेरेजातिपांतिनचहौंकाहुजातिपांति मेरेको

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

उकामकोनहुंकाहुकेकामको ॥ लोकपरलोकरघु नाथहीकेहाथसबभारीहैभरोसोतुलसीकेएकनामको ॥ अतिहीअयानेउपखानेनहींबूझैंलोगसाहेबकेगो तगोतहातहैगुलामको ॥ साधुकैअसाधुकैभलोकै पोचशोचककहाकाहूद्वारपऱ्योजोहैंसोहैंरामको ॥ ४२ ॥ कोऊकहैकरतकुसाजदगाबाज बड़ोकोऊकहैरामकोगुलामखरोखूबहै ॥ साधूजानैम हासाधुखलजानै महाखलबाणीझूठीसांचीकोटिउठ तहबूबहै ॥ चहतनकाहुसोकहतनहिंकाकोकछुसब कीसहत उरअंतरनऊबहै ॥ तुलसीकाभलोपोचहाथ रघुनाथहीकेरामकीभगतिभूमिमेरीमतिदूबहै ॥४३॥ योगैयोगीजंगमजतीजमायध्यानधरैडरैडरभारीलोभ मोहक्रोधकामके ॥ जागैंराजाराजकाजसेवकसमाज साजशांचैं सुनिसमाचारबड़ेबैरीबामके ॥ जागैंबुध बिद्याहित पंडितचकित चितजगैंलोभीलालचधर णिधनधामके ॥ जागैंभोगीभोगहिबियोगीरोगीरोग

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

बशसोवैंसुखतुलसीभरोसेएकरामके ॥ ४४ ॥ ॥
॥ छप्पै ॥ ॥ राममातुपितुबंधुसुजनगुरुपूज्यपरम
हित ॥ साहेबसखासहायनेहनातोपुनीतचित ॥ देश
कोशकुलकर्मधर्मधनधामधरणिगति ॥ जातिपांतिस
बभांतिलागिरामहिंहमारिमति ॥ परमारथस्वारथसु
यशसुलभरामतेसकलफल ॥ कहैतुलसीदासअबजब
कबहुंएकरामतेमोरभल ॥ ४५ ॥ महाराजबलिजाउँ
रामसेवकसुखदायक ॥ महाराजबलिजाउँरामसुंदरस
बलायक ॥ महाराजबलिजाउँरामसंकटसबमोचन ॥
महाराजबलिजाउँरामराजीवबिलोचन ॥ बलिजाउँ
रामकरुणायतनप्रणतपालपातकहरण ॥ बलिजाउँ
रामकलिभयबिकलतुलसीदासराखियशरण ॥४६॥
जयताटकासुबाहुमथनमारीचमानहर ॥ मुनिमखरक्ष
णदक्षशिलातारणकरुणाकर ॥ नृपगणबलमदसहित
शंभुकोदंडविहंडन ॥ जयकुठारधरदर्पदलनदिनकर
कुलमंडन ॥ जयजनकनगरआनंदप्रदसुखसागरसुष
माभवन ॥ कहैतुलसीदाससुरमुकुटमणिजयजयजय

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

जानकिरमन ॥ ४७ ॥ जयजयंतजयकरअनंतसज्जन
जनरंजन ॥ जयबिराधबधबिदुषबिबुधमुनिगणभय
भंजन ॥ जयनिशिचरीविरूपकरणरघुबंशबिभूषण ॥
सुभटचतुर्दशसहस्रदलनत्रिशिराखरदूषण ॥ जयदंड
कवनपावनकरनतुलसिदाससंसयशमन ॥ जगबिदि
तजगतमणिजयतिजयजयजयजानकिरमण ॥ ४८ ॥
जयमायामृगमथनगीधशबरीउद्धारण ॥ जयकबंधसू
दनबिशालतरुतालबिदारण ॥ दमनबालिबलशा
लिथपनसुग्रीवसंतहित ॥ कपिकरालभटभालुकटक
पालककृपालुचित ॥ जयसियबियोगदुखहेतुकृतसे
तुबंधवारिधिदमन ॥ दशशीसबिभीषणअभयप्रदजय
जयजयजानकिरमण ॥ ४९ ॥ कनककुधारकेदारबी
जसुंदरसुरमुनिवर ॥ शोचिकामधुकधेनुसुधामयपय
बिशुद्धतर ॥ तीरथपतिअंकुरस्वरूपयक्षेशरक्षतेहि ॥
मरकतमणिशाखासुपत्रमंजरीसुलक्षिजेहि ॥ कैवल्य
सकलफलकल्पतरुशुभस्वभावसबसुखबरिस ॥ कहैतु
लसीदासरघुबंशमणितोकिहोंहितवकरसरस ॥ ५० ॥

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

जाइसोसुभटसमर्थपाइरणरारिनमंडै ॥ जाइसोयती कहाइविषयबासनानछंडै ॥ जाइधनिकबिनुदानजा इनिर्धनबिनुधर्महि ॥ जाइसोपंडितपढ़िपुराणजोरत नसुकर्महि ॥ सुतजाइमातुपितुभक्तिबिनुतियसोजा इजेहिपतिनहित ॥ ५१ ॥ कौनक्रोधनिदहेउकामब शकेहिनहिंकीन्हो ॥ कौनलोभदृढ़फंदबांधित्रासनक रिदीन्हो ॥ कैनहृदयनहिंलागकठिनअतिनारिनयन शर ॥ लोचनयुतनहिंभयउअंधश्रीपाइकवननर ॥ सुरनागलोकमहिमंडलहुसोजोमोहकीन्होजयन ॥ कहैतुलसीदाससोऊबरेजेहिराखुरामराजीवनयन ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ सवैया ॥ भौंहकमानसंधानसुठान जोनारिबिलोकनिबाणतेबाचे ॥ कोपकृशानुगुमान आवाघटजोजिनकेमनआंचनआंचै ॥ लोभसबैनटके बशव्हैकपिज्योंजगमेंबहुनाचननांचे ॥ नीकेहैंसाधु सबैतुलसीपैतेईरघुबीरकेसेवकसांचे ॥ ५३ ॥ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ वेषसुबनाइभलेबचनकहैंचुवाइ जाइतौनजरनिधरणिधनधामकी ॥ कोटिकउपायक

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

रिलालिपालियतदेहमुखकहियतगतिरामहीकेनाम की ॥ प्रकटैउपासनादुरावैदुर्वासनाहिंमानस निवासभूमिलोभमोहकामकी ॥ रागरोषईर्षाकप टकुटिलाईभरे तुलसीसेभगतभगतिचहैंरामकी ॥ ॥ ५४ ॥ कालिहहीतरुणतनुकालिहहीधरणिधनु कालिहहीजितौंगोरणकहतकुचालिहै ॥ कालिहही साधौंगोकाजकालिहहीराजासमाजमोसोकोउकहा भारेमहीमिरुहालिहै ॥ तुलसीयहीकुभांतिघनेघरघा लिआये घनेघरघालतहैंघनेघरघालिहैं ॥ देखतसुन तसमुझतहूनसूझै सोइ कबहूं कह्यो नकालहूकोकाल कालिहै ॥ ५५ ॥ भयोनत्रिकालतिहूंलोकतुलसी सोमंदनिंदैसबसाधुसुनिमानैनासकोचहौं ॥ जानतन योगहियहांनिमानैंजानकीशकाहेकोपरेखोहौंपापीप्र पंचीपोचहौं ॥ पेटभरिबेकेकाजमहाराजकोकहायोम हाराजहूंकह्योहैप्रणतबिमोचहौं ॥ निजअघजालक लिकालकीकरालता बिलोकिहोतव्याकुलकरतसो ईशोचहौं ॥ ५६ ॥ धरमकोसेतुजगमंगलकोहेतुभू

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

मिभारहरिबेकोअवतारलियोनरको ॥ नीतिऔप्रती
तिप्रीतिपालचालिप्रभुमानलोकबेदराखिबेको पण
रघुबरको ॥ बानरबिभीषणकीऔरकीकथाबड़ीहैसो
प्रसंगसुनेअंगजरेअनुचरको ॥ राखेरीतिआपनोजोहो
ईसोइकीजैबलितुलसीतिहारोघरजाइहैघरको ॥
॥ ५७ ॥ नाममहाराजकेनिबाहिनीकीकीजैउरसब
हीसोहातमैनलोगनसोहातहौं ॥ कीजैरामबारएहीमे
रीओरचखकोरताहिलगिरंकज्योंसनेहकोललातहौं॥
तुलसीबिलोकिकलिकालकीकरालताकृपालको
स्वभावसमुझतसकुचातहौं ॥ लोकएकभांतिकोत्रि
लोकनाथलोकबशआपनोनशोचस्वामीशोचहो सु
खातहौं ॥५८॥ तौलौंलोभलोलुपललातलालची
लबारबारबारलालचधरणिधनधामको ॥ तबलौंबि
योगरोगसोगभोगयातनाकेयुगसमलगतजीवनयाम
यामको॥तौलौंदुखदारिददहतअतिनिततनु तुलसीह
किंकरविमोहकोहकामको॥सबदुखआपनेनिरापनेस
कलसुखजौंलौंजनभयोनबजाइराजारामको ॥५९॥

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

तौलौंहौमलीनहीनदीनसुखसपनेनजहांतहांदुखीजन भाजनकलेशको ॥तौलौंऊबैंनपांयफिरतपेटोखलाय बायमुहसहतपराभवजगतको॥तबलौंदयावनोदुसहदु खदारिदकोसाथरीकोसोइबोओढिबोहूनेखेसको ॥ जबलौंनभजैजीहजानकीजीवनरामराजनकोराजसो तौसाहेबमहेशको ॥ ६० ॥ ईशनकेईशमहाराजनकेम हाराजदेवनकेदेव देवप्राणनहूंकेप्राणहौं ॥ कालहूंके काल महाभूतनके महाभूतकर्महूंकेकर्म निदानके नि दानहौं ॥ निगमको अगम सुगम तुलसीहूंसेकोएते मानशील सिंधुकरुणानिधानहौं ॥ महिमाअपारका हूबोलकोनवारापारबड़ीसाहिबीमैंनाथबडेसावधान हौं ॥६१॥ ॥ सवैया ॥ आरतपालकृपालुजेरामजेही सुमिरेतेहिकोतहँठाड़े ॥ नामप्रतापमहामहिमाअकरे कियेखोटेऔछोटेऊबाढ़े॥ सेवकएकतेएकअनेकभयेतु लसीतिहुंतापतेडाढ़े॥ प्रेमबदौंप्रल्हादहिकोजिनपाह नतेपरमेश्वरकाढ़े ॥ ६२ ॥ काढ़िकृपाणकहूंपितुका लकरालबिलोकनभागे ॥ रामकहांसबठाँउहैखंभमें

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

हांसुनिहांकनि केहरिजागे ॥ बैरीबिदारिभयेविकरा
लकहैप्रह्लादहिकेअनुरागे ॥ प्रीतिप्रतीतिबढ़ीतुल
सीतबतेसबपाहनपूजनलागे ॥६३॥ अंतरजामिहुते
बड़ेबाहेरजामिहैरामजेनामलियेते ॥ धावतधेनुपन्हाइ
लवाइजोबालकबोलनिकानकियेते ॥ आपनिबूझि
कहैतुलसीकहिबेकीनबावरिबातबियेते ॥ पैजुपुरोव
प्रह्लादहुकोप्रकटेप्रभुपाहनतेनहियेते ॥६४॥ बाल
कबालिदियोबलिकालकोकायारकोटिकुचालच
लाई॥ पापीहैबापबड़ोपरितापतेआपनओरतेखोरिन
लाई ॥ भूरिदईबिषभूरिभईप्रह्लादसुधाईसुधाकीमला
ई ॥ रामकृपातुलसीजनकोजगहोतभलेकोभलोईभ
लाई ॥६५॥ अनुकंपाकरीब्रजवासिनपैकरतूतिकु
भांतिचलैनचलाई ॥ पांडुकेपूतसपूतकपूतसुयोध
नभोकलिछोटोछलाई ॥ कान्हकृपालुबड़ेनतपाल
गयेखलखेचरखीसखलाई ॥ ठीकप्रतीतिकहैतुलसी
जगहोइभलेकोभलोईभलाई ॥६६॥ अवनी
शअनेकभयेअवनीजिनकेटरतेसुरशोचसुखाहीं ॥ मा

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

नवदानवदेवसतावनरावणघाटिरच्योजगमाहीं ॥ ते
मिलयेधूरिधूरिसुयोधनजेचलतेबहुछत्रकिछांहीं ॥ बे
दपुराणकहैजगजानगुमानगोविंदहिंभावतनाहीं ॥
॥ ६७ ॥ जबनैननप्रीतिठईठगश्यामसयानिसखी
हठिहौबरजी ॥ नहिंजानौवियोगसुरोगहैआगेझुकी
तबहौंतोहिसोतरजी ॥ अबदेहभईपटनेहकेघालेसो
खोजकरैबिरहादरजी ॥ ब्रजराजकुमारबिनासुनुभृंग
अनंगभयोजियकोगरजी ॥ ६८ ॥ योगकथापठईब्रज
कोसबसोंशठचेरीकीचालचलाकी ॥ ऊधोजूकौनक
हैकुबरीजोबरीनटनागरहेरिहलाकी ॥ जाहिलगेप
रिजानैसोईतुलसीसोसोहागिनिनंदललाकी ॥ जानी
हैजानपनीहरिकीअबबांधियैगीकछुमोटकलाकी ॥
॥ ६९ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ पठयोहैछपदछबीलेकान्हकेहू
कहूंखोजिकैखवासखांसोकूबरीसोबालको ॥ ज्ञानको
गढ़ैयाबिनुगिराकोपढ़ैयाबारखालकोकढ़ैयासोबढ़ै
याउरसालको ॥ प्रीतिकोबधिकरसरीतिकेअधिकनी
तिनिपुणबिबेकहैनिदेशदेशकालको ॥ तुलसीकहैन

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

बनैसहेहीबनैगीसबयोगभयोयोगकोबियोगनंदलाल
को ॥ ७० ॥ हनुमानव्हैकृपालुलाड़िलेलषणलाल
भावतेभरतहैंजेसेवकसहायजू ॥ बिनतीकरतदीनद्दू
बरोदयावनोसोबिगरेतेआपुहीसुधारिलीजैभायजू ॥
मेरीसाहिबानीसदाशीसपरबिलसतिदेवीक्योनदास
कोदेखाइयतपायजू ॥ थोरबाहूमेरीझिबेकीबानिराम
रीझतहैंरीझव्हैहैरामकीदोहाईरघुरायजू ॥७१॥ ॥स
वैया॥ ॥बिषबिरागकोरागभरोमनभावकहौंसतिभा
वहौंतोसों ॥ तेरोहिनाथकोनामलेबेचिहौंपातकीपाम
रप्राणनिपोसों ॥ येतेबड़ेअपराधीअधीकहुतेकहौंअंब
किमेरोतूमोसों ॥ स्वारथकोपरमारथकोपरिपूरणभो
फिरिघाटनहौंसो ॥ ७२ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥
जहांबालमीकिभयेव्याधतेमुनींदसाधुमरामराजपेशि
खसुनिऋषिसातकी ॥ सीयकोनिवासलवकुशकोज
नमथलतुलसीछुअतछांहतापगरैगातकी ॥ बिटपम
हीपसुरसरितसमीपसोहैंसीतावटपखतपुनीतहोतपा
तकी ॥ बारिपुरदिगपुरबीचबिलसतिभूमिअंकितजो

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

जानकीचरणजलजातकी ॥ ७३ ॥ मरकतबरणपर
णफलमाणिकसेलसैजटाजूटजनुरूपबेषहररहै ॥ सुषमा
कोढ़ेरुकैधौंसंपदासकलशीलकरुणाप्रभावमुदमंगल
कोघरहैं ॥ देतअभिमतजोसमैप्रतीतिसेइयेप्रतीतिमा
नितुलसी बिचारिकाकोथरहै ॥ सुरसरिनिकटसो
हावनीअवनिसोहैरामरावनीकोबटकलिकामतरुहै ॥
॥ ७४ ॥ देवधुनीपासमुनिबासश्रीनिवासजहांप्राकृ
तहूंबटबूटबसतपुरारिहैं ॥ योगजपयागकोबिरागको
पुनीतपीठि रागिनपैसीठिडीठिबाहिरीनिहारिहैं ॥
आयसुआदेशबाबूभलोभलोभावसिद्धतुलसीबिचारी
योगीकहतपुकारिहैं ॥ रामभगतनकोतोकामतरुतेअ
धिकसीयबटसेयेकरतलफलचारिहैं ॥ ७५ ॥ जहांब
नपावनोसोहावनोविहंगमृगदेखिअतिलागतअनंदखे
तखूटसो ॥ सीतारामलषणनिवासबासमुनिनकोसि
द्धसाधुसाधकसबै बिबेकबूटसो ॥ झरनाझरतबारि
शीतलपुनीतबारिमंदाकिनिमंजुलमहेशजटाजूटसो ॥
तुलसीजोरामसोसनेहसांचोचाहियेतो सेइयेसनेहसो

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

बिचित्र चित्रकूटसो ॥ ७६ ॥ मोहबनकलिमलजर
तजनितजानिजियसाधुगाईविप्रनेकभयकोनिवार
है ॥ दीह्नीहैरजायरामपायसोसहायलालछषणसमर्थ
बीरहेरिहेरिमारिहैं ॥ मंदाकिनीमंजुलकमानअसि
बानजहांबारिधारधीरधरिसुकरसुधारिहै ॥ चित्रकूट
अचलअहेरीबैठयोघातमानोपातककेब्रातघोरशावक
संहारिहै ॥ ७७ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ लागि
दवारिपहारढहीलहकीकपिलंकयथाखिरखौकी ॥
चारुचुबाचहुँऔरचलीलपटैझपटैसोतमीचरतौकी ॥
क्यौंकहिजातमहासुषमाउपमातकिताकतहैकबिको
की॥ मानोलखीतुलसीहनुमानहियेजगजीतजरायकी
चौकी ॥ ७८ ॥ देवकहैअपनीअपनीअवलोकन
तीरथराजचलोरे ॥ देखिमिटैअपराधअगाधनिम
ज्जतसाधुसमाजभलोरे ॥ सोहैसितासिशितको मि
लिबो तुलसी हुलसै हियहेरि हलोरे ॥ मानोहरेतृण
चारुचरैबगरैसुरधेनुकेधौलकलोरे ॥ ७९ ॥ देवनदी
कहँजोजनजानकियेमनसाकुलकोटिउधारे ॥ देखिच

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

लैझगरैसुरनारिसुरेशबनाइबेबानसंवारे ॥ पूजाकोसा
जबिरंचिरचैतुलसीजिमहातमजाननिहारे ॥ औककी
नेवपरीहरिलोकबिलोकतगंगतरंगतिहारे ॥ ८० ॥
ब्रह्मजोव्यापकबेदकहैगमनाहिंगिरागुणज्ञानगुनीको
॥ जोकर्ताभरताहरतासुरसाइसुसाहिबदीनदुनीको ॥
सोइभयोद्रवरूपसहीजोहैंनाथबिरंचिमहेशमुनीको ॥
मानिप्रतीतिसदातुलसीजलकाहेनसेवतदेवधुनीको॥
॥ ८१ ॥ बारितिहारोनिहारिमुरारिभयेपरसेपदपाप
लाहौंगो ॥ ईशव्हैसीसधरोपैडरोंप्रभुकीसमताबड़ेदोष
षहौंगो ॥ बरुबारहिंबारशरीरधरौंरघुवीरकोव्हैतबती
ररहौंगो ॥ भागीरथीबिनवौंकरजोरिबहोरिनखोरि
लगैसोकहौंगो ॥८२॥ ॥घनाक्षरी॥ लालचीललात
बिललातद्वारद्वारदीनबदनमलीनमनमिटैनबिसूरना
॥ताकतकराधकैबिबाहकैउछाहकछुडोलैलोलबूझत
सबदढोलतूरना ॥ प्यासेनपावाहिवारिभूखेनचणक
चारिचारतअहारतेपहारदारिघूरना ॥ शोककोअगा
रदुखभारभरैतोलौंजौलौंमहादेबीद्रवैनभवानीअन्नपूर

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

ना ॥८३॥ छप्पय ॥ भस्मअंगमर्दनअनंगसंततअसंग
हर ॥ शीसगंगगिरिजाअर्धंगभूषणभुजंगवर ॥ मुंडमा
लबिधुबालभालडमरूकपालकर ॥ बिबुधवृंदनवकु
मुदचंद्रसुखकंदशूलधर ॥ त्रिपुरारित्रिलोचनदिगब
शनबिषभोजनभवभयहरण ॥ कहैतुलसीदाससेवतसुस
मशिवशिवशिवसंकरशरन ॥८४॥ गरलअशनदिगब
सनव्यसनभंजनजनरंजन ॥ कुंदइंदुकपूरगौरसच्चिदानं
दघन ॥ बिकटबेषउरशेषशीससुरसरितसहजशुचि ॥
शिवअकामअभिरामधामनितरामनामरुचि ॥ कंद
र्पदर्पदुर्गमदमनउमारमणगुनभवनहर ॥ त्रिपुरारित्रि
लोचनत्रिगुणपरत्रिपुरमथनजयत्रिदशबर ॥८५॥
अर्धंअंगअंगनामहायोगीशयोगपति ॥ विषमअशन
दिगबसननामबिश्वेशबिश्वगति ॥ करकपालशिरमा
लव्यालविषभूतिबिभूषण ॥ नामशुद्धअबिरुद्धअमर
अनवद्यअदूषण ॥ विकरालभूतबेतालप्रियभीमनाम
भवभयदमन ॥ सबबिधिसमर्थमहिमाअकथ्यसोतुल
सीदाससंशयशमन ॥८६॥ भूतनाथभयहरणभीमभय

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

भवनभूमिधर ॥ भानुमंतभगवंतभूतिभूषणभुजंगवर ॥ भव्यभाववल्लवभवेशभवभारबिभंजन ॥ भूरिभागभैरवकुयोगगंजनजनरंजन ॥ भारतीबदनधर्मसदनशशिपतंगपावकनयन ॥ कहैतुलसीदासकिनभजसिमनभद्रसदनमर्दनमयन ॥८७॥ ॥ सवैया ॥ ॥ मांगोफिरैकहैमांगनोदेखिनखांगोकछूजनिमांगियेथोरे॥ रंकनिनाकपरीझिकरैंतुलसीजगजोजुरेयाचकजोरे ॥ नाकसँभारतआयोहौंनाकहिनाहिंपिनाकहिनेकुनिहोरे ॥ बिरंचिकहैगिरिजासिखवोपतिरावरोदानिहैबावरोभोरे ॥८८॥ बिषपावकव्यालकपालगरेशरणागततौतिहुँतापनडाढ़े॥भूतबेतालसखाभवनामदलैपलमेंभवकेभयगाढ़े॥ तुलसीशदरिद्रशिरोमणिसोसुमिरेदुखदारिददोहिनठाढ़े॥ भौनमेंभांगधतूरोंईआंगननामेकेआगेहैंमांगनेबाढ़े ॥८९॥ सीसबसेबरदाबरदानिचढ़्योबरदाघरन्योबरदाहै ॥धामधतूरोबिभूतिकोकूरोनिबासवहांसबलैमरदाहै॥व्यालीकपालीहैख्यालीचहूंदिशिमांगकेठाटिन्हकेपरदाहै॥ रंकशिरोमणिकाकिनिभा

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

वबिलोकतलोकपकोकरदाहै ॥ ९० ॥ दानिजो
रिपदारथकोत्रिपुरारितिहूंपुरमोंशिरटीको ॥ भोरोभ
लोभलेभावकोभूंखोभलोईकियोसुमिरेतुलसीको ॥
ताबिनुआसकोदासभयोकबहूंनमिट्योलघुलालच
जीको ॥साधोकहांअरिसाधनतेजोपैराधोनहींपतिपा
रबतीको ॥९१॥ जातेजरेंसबलोकबिलोकित्रिलोच
नसोबिषलोकलियोहै ॥ पानकियोबिषभूषणभोकरु
णाबरुणालयसांइहियोहै ॥ मेरोइफोरबेयोगकपार
किधौंकछुकाहूलखाइदियोहै ॥ काहेनकानकरौबि
नतीतुलसीकलिकालबेहालकियोहै ॥९२॥ ॥
॥ घनाक्षरी ॥ ॥ खायोकालकूटभयोअजरअमर
तनुभवनमसानगाथगाठरीगरदकी ॥ डमरूकपालक
रभूषणकरालव्यालबावरेबड़ोकिरीझबाहनबरदकी ॥
तुलसीबिशालगोरेगातबिलसतभूतिमानौ हिमगि
रिचारुचांदनीशरदकी ॥ अर्थधर्मकाममोक्षबसतबि
लोकनिमेंकाशीकरमतियोगीजागतिमरदकी ॥९३॥
पिंगलजटाकलापमाथेतौ पुनीतआपपावकनैनाप्र

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

तापभूपनबरतहैं ॥ लोचनबिशाललालसोहै बालचं
द्रभालकंठकालकूटव्यालभूलषणधरतहैं ॥ देतनाअ
घातरीझिखातपातआकहीकेभोलानाथयोगीजबअ
वरढ़रतहैं ॥ सुंदरदिगंबरबिभूतिगातभांगखातरूरेशृ
गीपूरेकालकंठहककहतहैं ॥ ९४ ॥ देतसंपदासमेतश्री
निकेतयाचकानिभवनबिभूतिभांगवृषभवाहनहै ॥
नामवामदेवदाहिनो सदाअसंगरंगअरधंगअंगनाअ
नंगकोमहनूहै ॥ तुलसीमहेशकोप्रभावभावहीसुगमअ
गमनिगमहूंकोजानिबोगहनहैं ॥ वेषतोभिखारीको
भयंकररूपशंकरदयालदीनबंधुदानीदारिददहनहैं ॥
॥ ९५ ॥ चाहेनअंगनअरिएकोअंगमांगतेको देवोइ
पैजानिएस्वभावसिद्धवानिसो ॥ वारिबुंदचारित्रिपु
रारि परडारियेतौदेतफलचारिलेतसेवासांचीमानि
सो ॥ तुलसीभरोसोनभवेसभोरानाथकोतोकोटिक
कलेशकरोभरोक्षारछानिसो ॥ दारिददमनदुखदोष
दाहादावानलदीननदयालदूजोदानिशूलपाणिसो ॥
॥ ९६ ॥ काहेकोअनेकदेवसेवतजागैमसानखोअत

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

अपानशठहोतहठिप्रेतरे ॥ काहेकोकोटिउपायकरेक
मरतधाययाचतनरेशदेशदेशकेअचेतरे ॥ तुलसी
प्रतीतिबिनुत्यागैतौप्रयागतनुधनहींकेहेतदानदेतकुरु
खेतरे ॥ पातद्वैधतूरकेहैंभोरेकैभवेशसोसुरेशही
कीसंपदासुभायसोंनलेतरे ॥ १७ ॥ शकटगयंदबा
जिराजिभलेभलेभटधनधामनिकरकरनिहूंनपूजेंकै ॥
बनिताबिनीतपूतपावनसोहावनऔबिनयबिबेकबि
द्यासुभगसरीरबै ॥ इहांऔरसोसुखपरलोकशिवलोक
आकताकौफलै तुलसीसोसुनोसावधानव्है ॥ जानें
बिनुजानेंकैरिसानेंकेलिकबहुंकशिवहिंचढ़ायेंव्हैहैबे
लकेपतोआद्वै ॥ १८ ॥ रत्नकीखानिनिंधुमेषलाअ
वनिपतिऔनिपअनेकठाढ़ेहाथजोरिहारिकै ॥ संप
दासमाजदेखिलाजसुरराजहूंकेसुखसबबिधिहैदीन्हेहै
सँवारिकै ॥ इहांऐसोसुखसुरलोकसुरनाथपदताकोफ
लतुलसीसो कहैगोबिचारिकै ॥ आककेपतौआचा
रिफूलकेधतूरेंकेद्वैदीन्हेव्हैहैंबारकपुरारिपरढारिकै ॥

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

॥ ९९ ॥ देवसरिसेवौंबामदेवगांवरावरेहीनामरामही केमांगिउदरभरतहौं ॥ दीबेयोगतुलसीनलेतकाहूको कछुकलिखीनभलाईभालपोचनकरतहौं ॥ येतेहूपर कोउजोरावरोहूंजोरकरैताकोंजोरदेवदीनद्वारैगुदरत हौं॥पाइकैउराहनोउराहनोनदीजै मोहिंकलिकाशका शिनाथकेहे निवरतहौं ॥ ३०० ॥ चेरोरामरायकोसु यशसुनितेरोहरुपाइतरआइरह्योंसुरसरितीरहौं ॥ बा मदेवरामकोसुभावशीलजानियतनातोनेहजानिजिय रघुबीरभीरहौं ॥ अधिभूतबेदनबिषमहोतभूतनाथतुल सीबिकलपाहिपचतकुपीरहौं ॥ मारियेतोअनायास काशीबासखासफलज्याइयेतोकृपाकरिनिरुजशरी रहौं ॥ १ ॥ जीबेकीनलालसादयालुमहादेवमोहिंमा लुमहैतोकोमरबेइकोरहतहौ ॥ कामरिपुरामकेगुलाम निकोकामतरुअवलंबजगदंगबसहितचहतहौं ॥ रोग भयोभूतसोकुसूतभयोतुलसीकोभूतनाथपाहिपदपंक जगहतहौं ॥ ज्याइयेतोजानकीजीवनजनजानिजिय

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

मारियेतोमांगीमीचसुधियेकहतहौं ॥ २ ॥ भूतभवभ
वतिपिशाचदूतप्रेतप्रियआपनोसमाजशिवआपुनीके
जानिये ॥ नानाबेषबाहनबिभूषणबसनबासखानपा
नबलिपूजाबिधिकोबखानिये ॥ रामकेगुलामनकी
रीतिप्रीतिसूधिसबसबसोंसनेहसबहीकोसन्मानिये ॥
तुलसीकीसुधैरैसुधारेभूतनाथहीकेमेरेमायबापगुरु शं
करभवानिये ॥ ३ ॥ गौरीनाथभोलानाथ भवतभवानी
नाथ बिश्वनाथपुरफिरि आनकलिकालकी ॥ शंकर
सेनरगिरिजासीनारि कासीबासी बेदकही सहीशशि
शेखरकृपालकी ॥ छमुखगणेशतेमहेशतेसिधारेलोग
बिकलबिलोकियतनगरीबिहालकी ॥ पुरीसुरबेली
केलिकाटतकिरातकलिनिठुरनिहारिये उघारि डी
ठिभालकी ॥ ४ ॥ ठाकुरमहेशठकुराइनिउमासीजहां
लोकबेदहूंबिदितमहिमाठहरकी ॥ मठरुद्रगण भूतगण
पतिसेनापतिकलिकालकीकुचालकाहूतोनहरकी ॥
बसीबिश्वनाथकी बिषादबड़ो बाराणशी बूझियेनए

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

सीगतिशंकरसहरकी ॥ कैसेकहैतुलसीवृषासुरकेबर दानिबानिजानिसुधातजिपीवनजहरकी॥५॥ लोक बेदहूंबिदितबाराणसीकीबड़ाईबासी नरनारीईशअं बिकास्वरूपहैं॥ कालनाथकोतवालदंडकारिदंडपा णिसभासदगणपसेअमितअनूपहैं ॥ तहवूंकुचालक लिकालकीकुरीतिकैधौंजानतनमूढ़इहांभूतनाथभूप हैं॥ फलैफूलैफैलैखलसीदैंसाधुपलपलबातीदीपमा लिकाउठाइयतसूपहैं ॥ ६ ॥ पंचकोशपुन्यकोशस्वार थपर्मारथकोजानिआपुआपनेसुपासबासदियोहै ॥ नीचनरनारिनसंभारि सकैआदरलहतफलकादरबि चारिजोनकियोहै ॥ बारिबाराणशीबिनुकहैचक्रच क्रपाणिमानिहितहानिसोमुरारिमनभियोहै ॥ रोषमें भरोसोएकआसतोसेकहिजात बिकल बिलोकिलो ककालकूटपियोहै ॥ ७ ॥ रचतबिरंचिहरिपालतहर तहरतेरेहिंप्रसादजगअगजगपालिकै ॥ तोहिमेबिका सबिश्वतोहिमेंबिलाससबतोहिमे समातुमातुभूमिधर

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

बालिके ॥ दीजैअवलंबजगदंबनबिलंबकीजैकरुणा
तरंगिनीकृपातरंगमालिके ॥ रोषमहामारीपरितोषम
हतारीदुनीदेखियेदुखारीमुनिमानसमरालिके ॥ ८॥
निपटबसेरेअघऔगुणघनेरेनरनारिहूंअनेरेजगदंबचे
रीचेरेहैं ॥ दारिददुखारीदेविभूसुरभिखारीभीरुलोभ
मोह कामक्रोधकलिमलघेरेहैं ॥ लोकरीतिराखिराम
साखीबामदेवजानिजनकीबिनतीमानिमातुकहिमेरे
हैं ॥ महामारीमहेशानीमहिमाकीखानीमोदमंगलकी
राशीकाशीबासीदासतेरे हैं ॥ ९ ॥ लोचनकोपापके
धौंसिद्धसुरशापकैधौकालकेप्रतापकासातिहूंतातई
हैं॥उंचेनीचेबीचकैधनिकरंकराजाराबहठनिबजाइक
रिडीठिपीठिदईहैं।देवतानिहोरेमहामारीनसोकरजोरे
भोलानाथजानीमोरेअपनीसीठईहैं ॥ करुणानिधान
हनुमानवीरबलवानयशरासिजहांतहांतैसीलुटिलईहै
॥१०॥शंकरसहरशरनारिनरबारिचारिविकलहैमहा
मारिमहामायाभईहै ॥ उछरतउतरातहहरातमरिजात

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

भभरिभगातजलथलमीचमईहै।।देवनदयालमहिपाल
नकृपालुचितबाराणसीबाढ़तअनीतनितनईहै।। पाहि
रघुराजपाहिकपिराजरामदूतरामहूंकीबिगरीतुहीसुधा
रिलईहैं ॥ ११ ॥ एकतोकरालकलिकालशूलमूल
तामेंकोढ़मेंकीखाजसीसनीचरिहैमीनकी।।वेदधर्मदूरि
गयेभूमिचोरभूपभयेसाधुसिद्धमानजातबीतिपापपीन
की ॥ दूसरेकोंदूसरोनद्वाररामदयाधामरावराइगतिब
लिबिभवबिहीनकी ॥ लागैगीपैलाजबाबिराजमान
बिरदहिमहाराजआजजोनदेतदादिदीनकी ॥ १२ ॥
रामनाममातपितुस्वामीसमरथहितु आसरामनामकी
भरोसोरामनामको ॥ प्रेमरामनामहींसोंनेमरामना
हींकोजानोनमरमपगदाहिनोनबामको ॥ स्वारथस
कलपरमारथकोरामनाम रामनामहनितुलसीनका
हूकामको ॥ रामकीसपथसर्बसमेंरेरामनामकामधेनु
कामतरुमोसेंछीनछामको ॥१३॥ सवैया ॥ मारगमा
रिमहीसुरमारिकुमारगकोटिककैधनजीतिकैलीयो ॥ शंक

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

रकोपसोपापकोदामपरीक्षितजाहिंगोजारिकैहीयो ॥
कासीमेंकंटकजेतेभयेतेगेपाइअघाइकैआपनोकीयो ॥
आजुकिकालिपरोंकिनरोजड़जाहिंगेंचाटिदिवारिका
दीयो ॥ १४ ॥ कुंकुमअंगसोरंगजितोमुखचंडखसो
होड़परीहै ॥ बोलतबोलसमिद्धचवैअवलोकतशोच
बिषादहरीहै ॥ गौरीकोगंगबिहंगनिबेषकीमंजुलमूर
तिमोदभरीहै ॥ पेखिसप्रेमपयानसबैसबशोचबिमोच
नक्षेमकरीहै ॥ १५ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ मंगल
कीराशिपरमारथकीखानिजाकी बिरचिबनाइबिधि
केशवबसाईहै ॥ प्रलयहुंकालराखीशूलपाणिशूल
बरमीचबचनीचसोउचाहतखसाईहै ॥ छांडिक्षितिपा
लजोपरीक्षितभयेकृपालुभलोकियोखलकोनिकाई
सोनसायीहै ॥ पाहिहनुमानकरुणानिधानरामपाहि
काशीकामधेनुकलिकुहतकसाईहै ॥ १६ ॥ बिरची
बिरंचिकीबसतिबिश्वनाथकीजोप्राणहुं तेंप्यारीपुरीके
शवकृपालुकी ॥ ज्योतिरूप लिंगमयी अगणितलिंग

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

मयीमोक्षबितरणि बिदरणि जगजालकी ॥ देवी देवदेवसरिसिद्धमुनिबरबासलोपति बिलोकतिकुलिपिभोंड़ेभालकी ॥ हाहाकरैतुलसीदयानिधानरामऐसीकाशीकाकदर्थनाकरालताकलिकालकी ॥१७॥ आश्रमबरणकलिबिवशबिकलभयेनिजनिजमरजादमोटरी सीडारदीशंकरसरोषमहामारिहि तेजानियतसाहिबसरोषदुनीदिनदिनदारदी ॥ नारिनरआरतपुकारतसुनैनकोऊकाहूदेवततिमिलिमोठीमुठीमारदी ॥ तुलसीसभीतपालसुमिरेकृपालुरामसमैसुकरुनासराहिसनकारदी ॥ ३१८ ॥ इतिश्रीतुलसीदासकृतकबित्तरामायण समाप्त ॥ श्रीलक्ष्मीनारायणार्पणमस्तु ॥ ॥ शुभमस्तु ॥

समाप्त.

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

सूचना.

प्रियपाठकवृन्द ! हमारे इस कार्यालयमें सर्व-प्रकारके पुस्तक, वैदिक, वेदांत, व्याकरण, न्याय, छंद, उपनिषद, काव्य, अलंकार, नाटक, चम्पू, कोश, वैद्यक, और प्रकीर्ण ग्रंथ स्तोत्रादि, ख्याल, किस्सा आदिके ग्रंथ, संस्कृत भाषाटीकाके उत्तम, विक्रयार्थ प्रस्तुत रहतेहैं. जिन महाशयोंको चाहिये सो कृपाकर मंगावैं, फायदेके साथ बहुत शीघ्रतासे आपकी सेवामें भेजैंगे; सब ग्रंथोंके नामका बडा सूचीपत्र चाहिये तो आध आनेका टिकट भेजके मंगावें, जिसमें पुस्तकोंके दाम और टपालखर्च लिखाहै. मुफ्तमें भेजा जायगा.

पुस्तक मिलनेका पता-

पं० श्रीधर शिवलाल

"ज्ञानसागर" छापखाना-बम्बई.

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri